



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)



PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA HAMIRPUR (H.P.)

विद्यालय ई-पत्रिका



ई मेल पता: pplkvhamirpur@bmail.com

Web : <https://hamirpur.kvs.ac.in>

दूरभाष -01972-222470

संपादक मंडल (Editorial-Board)



मुख्य-संरक्षक (Chief Patron)

श्री संजय कुमार (प्राचार्य)



मुख्य-संपादिका,
श्रीमती एकता सिंह,
स्नातकोत्तर शिक्षिका -अंग्रेजी



श्री रविन्द्र कुमार,
स्नातकोत्तर शिक्षक-संगणक
विज्ञान



श्री अरविन्द कुमार,
स्नातकोत्तर शिक्षक-हिन्दी



श्री नरेन्द्र कुमार,
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक-संस्कृत



कुमारी रुहानी ,कक्षा-बारहवी
छात्र-सम्पादक- हिन्दी



कुमारी भूमिका शर्मा ,कक्षा-न्याारहवी,
छात्र-सम्पादक- अंग्रेजी



सत्यम,कक्षा-दसवीं ,छात्र-
सम्पादक- संस्कृत



सन्देश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर अपने शिक्षण संस्थान की सत्र -2026-27 की पत्रिका (ई-पत्रिका) का प्रकाशन करने जा रहा है।

विद्यालय की पत्रिकाओं का एक विशेष महत्व होता है इसके माध्यम से विद्यालय के प्रतिभा संपन्न छात्र –छात्राओं को अपनी प्रतिभा उजागर करने तथा उन्हें कविता / कहानी /लेख एवं संस्मरण आदि के रूप में अभिव्यक्त करने का अवसर प्राप्त होता है।

विद्यालय स्तर पर पत्रिकाओं के प्रकाशन का अभाव रहता है लेकिन आपकी संस्था द्वारा ऐसी पत्रिका प्रकाशित किया जाना एक उपलब्धि है विद्यालय की पत्रिकाएँ छात्रों के सृजनात्मक क्षमता के विकास का मंच होती हैं ऐसी पत्रिकाओं के माध्यम से छात्र वर्ग में चरित्र निर्माण, जनसेवा तथा राष्ट्रीय एकता की भावना उत्पन्न करना निकट भविष्य के लिए शुभ संकेत कहा जा सकता है।

मुझे विश्वास है कि आपकी पत्रिका नवोदित लेखकों में साहित्यिक अभिव्यक्ति विकसित कर पाएगी मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन व इससे जुड़े समस्त संपादन –मंडल को पत्रिका की निरंतर श्रीवृद्धि हेतु अपनी शुभकामनाएँ देती हूँ।

अध्यक्ष/उपायुक्त

विद्यालय प्रबंधन समिति

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)



सन्देश



श्री चंद्रशेखर आज़ाद

अत्यंत हर्ष का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर सत्र- 2026-27 की अपनी वार्षिक पत्रिका(ई-पत्रिका) का प्रकाशन कर रहा है।

छात्र जीवन की हृदयस्पर्शी अनुभूतियाँ एवं उत्साहजनित गतिविधियाँ ऐतिहासिक एवं स्मरणीय होती हैं विद्यालय इन सबको छात्रों से लिपिबद्ध करवा कर प्रकाशित करने का प्रशंसनीय प्रयास कर रहा है ऐसा प्रयास छात्रों के लिए संग्रहणीय तथा विद्यालय के लिए कर्तव्य पूर्ति का अंग होता है।

आपका विद्यालय विकास की ओर अग्रसर है इस पुनीत कार्य में लगे विद्यालय के सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र बधाई के पात्र हैं जिनकी रचनाएँ इस पत्रिका में छपी हैं आशा है, उनसे अन्य भी प्रेरित हो कर अगले अंक के लिए अपनी रोचक एवं ज्ञानवर्धक रचनाएँ इस पत्रिका में प्रकाशन के लिए देंगे।

उपायुक्त

केंद्रीय विद्यालय संगठन

गुरुग्राम सम्भाग



सन्देश



श्री संजय कुमार , प्राचार्य

मेरे लिए यह बड़े हर्ष की विषय है कि मैं नन्हें-मुन्हें साहित्याकारों की मौलिक रचनाओं को विद्यालय पत्रिका के माध्यम से आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ। विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा, वर्ष भर होने वाली विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित करने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। अपनी प्रतिभा व मनोभावों को अभिव्यक्त करने के लिए विद्यालय पत्रिका भी एक सशक्त माध्यम है अतः

बाल-मन की कल्पना मनन चिंतन व संवेदना से उपजे मोती इस में जड़ित है।
विद्यालय की उपलब्धियों का दर्पण यह पत्रिका आपको समर्पित है ॥

यह सत्य है कि प्रयासों को सफलता में निरूपित नहीं किया जा सकता है।
परन्तु यह भी सत्य है कि बिना प्रयासों के सफलता नहीं पाई जा सकती है ॥

विद्यालय, विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास सुनिश्चित करने, उन्हें मूल्य परक शिक्षा प्रदान करके उनके जीवन को उत्कृष्ट बनाने के लिए प्रयासरत है। छात्रों को शारीरिक रूप से बलिष्ठ एवं बौद्धिक रूप से मेधावी बनाना ही हमारा उद्देश्य है और इस कार्य को हम अपने अनुभवी व प्रबुद्ध उच्चाधिकारियों (केंद्रीय विद्यालय संगठन व अध्यक्ष विद्यालय प्रबंधक समिति) के कुशल मार्गदर्शन में सफल बनाने का अविरल प्रयास कर रहे हैं।

अंत में मैं पत्रिका के संपादक मंडल को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु प्रयास किए तथा ईश्वर से नन्हें-मुन्हें लेखकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

(संजय कुमार)

प्राचार्य

केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर



विद्यालय परिवार



श्री संजय कुमार, प्राचार्य



डॉ. पूजा कुमारी
(मुख्याध्यापिका)

पीएम श्री के.वि. हमीरपुर

स्नातकोत्तर शिक्षक / PGT



श्री रविन्दर कुमार
संशोधन विज्ञान



श्री संजीव कुमार
अर्थशास्त्र



श्री राजेश प्रसाद
भौतिक विज्ञान



श्री राजेश कुमार
वर्णिक्य



श्री अरुण कुमार
रसायनिक विज्ञान



श्री अरविन्द कुमार
हिन्दी



श्रीमती एकता
अंग्रेजी



श्रीमती रंजना टंडन
जीव विज्ञान



श्री संदीप कुमार
गणित

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक / TGT

अन्य / Misc.



श्री सुरेश कुमार
दोगरा
कर्म-भूरीत



श्री अरुण कुमार
संशोधन



श्रीमती सोमिता राणी
अंग्रेजी



श्रीमती समिता देवी
अंग्रेजी



श्रीमती मिता देवी
हिन्दी



श्रीमती दीपा शर्मा
कला



श्री अरुण कुमार
शारीरिक शिक्षा



श्रीमती संजना कुमारी
सांख्यिक अणवण



श्री अरुण सिंह
गणित



श्री केशव राम शर्मा
पुरतकसंयोजक

प्राथमिक शिक्षक / PRT



श्रीमती देवेन कौर



श्री दीप कुमार



श्रीमती विद्या किरण



श्रीमती मीनाक्षी
(संगीत)



श्रीमती सारिका बालन



सुषी स्टोव कुमारी



श्रीमती शीतल चौधरी



श्री अरुण सिंह



श्रीमती विद्या

प्राथमिक शिक्षक / PRT

गैर शैक्षिक कर्मचारी / Non-Teaching Staff



सुषी सोनाली



सुषी हरीबा



श्रीमती प्रिया



श्री सतजीत
वरिष्ठ सहायक



श्री देवी सिंह
घण्टाली



श्री धर्मपाल
माली



श्री राजेश कुमार
वीकीटार



श्री अरुण कुमार
बस ड्राइवर



श्री वदरवाम
सूचीकर



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि० प्र०)



युवा संसद / YOUTH PARLIAMENT



प्रथम स्थान
35वीं संभागीय युवा संसद प्रतियोगिता 2024-25



द्वितीय स्थान 36वीं संभागीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि०प्र०)



चमकते सितारे (खेल) SHINING STARS (SPORTS)

बास्केटबॉल (KVS NATIONAL 2025-26)



Ishita Verma



Divya Chauhan



Gauri Sharma



Aakansha Thakur



Payal

योग (KVS NATIONAL 2025-26)



Shradha



Disha Dogra



Akshita



Kirti Lakhanpal



Angel



Saksham

शतरंज (KVS NATIONAL 2025-26)



Aashna



Shabana



Pranvi Sharma

जूडो (KVS NATIONAL 2025-26)



Arshita Bharti



Sahil Thakur

एथलेटिक्स (KVS NATIONAL 2025-26)



Kashish



Ridhima Dhiman



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय
हमीरपुर (हि०प्र०)



PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA HAMIRPUR (H.P.)

**भारत स्काउट एवं गाइड
BHARAT SCOUTS & GUIDES**

तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर उत्तीर्ण सत्र 2025—26

SHINING STARS



Ekansh Sharma



Ritesh Kumar



Priyansh Dogra



Satyam Sharma



Yasmin



Harshita Thakur



Aaradhya Kanwar



Ishita Thakur



Shailja Kumari

वार्षिक अकादमिक निरीक्षण



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर

वार्षिक अकादमिक निरीक्षण



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

वार्षिक अकादमिक निरीक्षण



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

भारतीय भाषा – ग्रीष्मकालीन शिविर

भारतीय भाषा
ग्रीष्मकालीन शिविर 2025
Bhartiya Bhasha
SUMMER
CAMP
पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर

समूह अधिगम गतिविधियाँ



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

परीक्षा पर चर्चा



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

स्वतंत्रता दिवस समारोह



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

गणतंत्र दिवस समारोह



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

बारहवीं कक्षा विदाई समारोह



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

स्वच्छता पखवाड़ा



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

समूह अधिगम गतिविधियाँ



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)

समूह अधिगम गतिविधियाँ



पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय हमीरपुर (हि.प्र.)



हिन्दी अनुभाग सम्पादकीय



विद्यालय पत्रिका विद्यालय का दर्पण है जिसमें विद्यालय में होने वाले समस्त क्रिया-कलापों का प्रतिबिम्ब दिखाई देता है। विद्यार्थियों की साहित्यिक अभिरुचि के विकास का मूल्यांकन विद्यालय की पत्रिका के माध्यम से ही हो सकता है। यह हर्ष और संतुष्टि का विषय है कि हमारी और आपकी यह पत्रिका इस दृष्टि से पूर्ण सफल है।

आशा है कि इसका मूल्यांकन आप बाल कुसुमों की आयु व बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखकर करेंगे। वस्तुतः शिक्षा के विभिन्न उद्देश्यों में से एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अपनी स्वाभाविक भाषा में, अपनी संवेदनाओं को व्यक्त कर पाने में सक्षम हो सकें। विद्यालय पत्रिका का प्रकाशन भी शिक्षा के इसी उद्देश्य को सार्थक करता है।

लेखन आत्माभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। लेखन एक कला है। यह वह कला है जिससे व्यक्तित्व में निखार आता है। विद्यार्थियों में बिखरी प्रतिभा को संचित करके उसे निखारना व उनके अनुभवों का विकास करना ही पत्रिका मूल उद्देश्य है। निरंतर अध्ययनशीलता व चिंतन से जब व्यक्ति के मन में विचारों का उद्वेलन होता है तो विचार स्वतः अभिव्यक्ति के लिए लेखन के माध्यम से रचना का रूप ले लेते हैं। ऐसी रचना मौलिक व स्थाई होती है। कुछ ऐसी ही रचनाओं को पत्रिका के इस अनुभाग में स्थान दिया गया है। हमें आशा है कि हमारे छात्रों के मासूम प्रयासों को आप अवश्य सराहेंगे।

अपनी ओर से हमने काफी सावधानी रखी है, फिर भी यदि कोई त्रुटि रह गई हो तो पहले ही क्षमा चाहते हैं। अन्त में उन सभी के प्रति मैं अपना आभार प्रदर्शित करता हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से उक्त कार्य में सहयोग दिया है।

अरविंद कुमार
स्नातकोत्तर अध्यापक-हिन्दी

कैसा है ये प्रकृति का खेल,
कभी धूप है, तो कभी है बूँदों का मेला।
जब चलती है हवा,
दौड़ लगाता है मन बावरा,
जैसे कि उसे पहुँचना है आवारा।

जब गरजते हैं पुरोधर,
हम तरसते हैं देखने को दिवाकरा।

सूर्य उदय के समय
पक्षियों की चहकती आवाज़,
साथ में हवा लाजवाबा।

सूर्यास्त के समय
पक्षियों का पर फड़फड़ाना,
पंख फड़फड़ाते हुए घर जाना,
इसी को अपनी दिनचर्या बनाना।

कैसा है ये प्रकृति का खेल,
कभी धूप है, तो कभी है बूँदों का मेला।

पूर्णिमा की रात चाँद का पूरा आना,
वहीं अमावस्या में पूरा छिप जाना।
पर तारों का अपना कर्तव्य बखूबी निभाना,
रोज़ आना,
पर कभी-कभी बादलों के बीच छुप जाना।

कैसा है ये प्रकृति का खेल,
कभी धूप है, तो कभी है बूँदों का मेला।

स्मृति ठाकुर
दसवीं अ

आओ पूछें एक सवाल,
मेरे सिर में कितने बाल?
कितने आसमान में तारे?
बतलाओ या कह दो हारे!
नदियाँ क्यों बहती दिन-रात?
चिड़ियाँ क्या करती हैं बात?
क्यों कुत्ता बिल्ली को डराए?
बिल्ली क्यों चूहे को मारे?
फूल कहाँ से पाते रंग?
रहते क्यों न जीव एक संग?
बादल क्यों बरसाते पानी?
लड़के क्यों करते शैतानी?
नानी की क्यों सिकुड़ी चाल?
मत पूछो ऐसा सवाल?
यह सब ईश्वर की है माया,
इसको कौन है जान पाया!

जीवन का सच

मुश्किलों से लड़ना है,
जीत को हासिल करना है।
क्या हुआ अगर वक्त मुश्किल है,
फिर भी तू मुश्किलों का विजेता है।

सूरज बनकर चमकना है,
चाँद बनके रात को हँसाना है।
अपने मंजिल के काँटों को तोड़कर,
लक्ष्य की ओर बढ़ना है।

पावनी
दसवीं अ

आत्मविश्वास

दिन में सूरज है अगर,
रात में चाँद तारे हैं
जीत तो वह लोग भी सकते हैं,
जो बार-बार हारे हैं।

पहाड़ और नदियाँ कुदरत के नजारे हैं,
पर प्यासे तो वह लोग भी है,
जो समुद्र के किनारे हैं।

यह आसमान छिन गया तो क्या ,
नया खोज लेंगे ।
लेकिन हम वह परिंदे नहीं,
जो उड़ना छोड़ देंगे।

मेहनत कर फल निकलेगा
आज नहीं, तो कल मिलेगा
चल उठ ,
पौधों को पानी दे, बंजर ज़मीन से
भी फल निकलेगा।

रिद्धिम

दसवीं अ

मातृभूमि — मेरा प्यार
भारत देश हमारा प्यारा,
सबसे न्यारा।
मुकुट स्वर्ण हिमालय का धारण,
धोता इसके चरण समंदरा

संगीत उपजा प्रथम जहाँ पर,
सजी सुरों की महफ़िल हरदमा

है यह मेरा वतन,
मेरी काया भी।
है मेरा जौहर, ये मेरी छाया भी।

करती हूँ मैं मातृभूमि का वंदन,
सदा मैं उस परमपिता का अभिनंदना

लेना पड़े अगर इस धरती पर जन्म बार-बार,
इसी भारत की भूमि पर,
स्थान देना परमपिता हर बार, हर बारा

नायशा शर्मा

छठी ब

कोयल

कू-कू-कू करती आती,
प्यारी-सी बोली यह गाती।
नीले-नीले आसमान में,
काली-सी कोयल है आती।

डाल-डाल पर बैठकर,
सुंदर-सी यह बोली गाती।
लोगों के मन को भाकर,
जगा की अपनी कला सिखाई।

अपनी मीठी बोली में,
सब लोगों से कहती आती—
मिलजुलकर प्यार से रहना,
इसमें है हम सबकी भलाई।

— आरुषि

आठवीं अ

प्रकृति

हरी-भरी धरती मुस्काता,
नीला अम्बर गीत सुनाता।
कल-कल करती बहती नदियाँ,
जीवन का संदेश सुनाएँ।
पर्वत ऊँचे, वन हैं प्यारे,
फूल खिले रंगों के न्यारे।
चिड़ियाँ गाएँ मधुर तराने,
महके जमीं के हर एक किनारे।
आओ मिलकर पेड़ लगाएँ,
धरती माँ का मान बढ़ाएँ।
जल, जंगल और जीव बचाकर,
सुंदर भविष्य हम बनाएँ।
आओ मिलकर कसम ये लें,
प्रकृति का मान बढ़ाएँ।
हरियाली, जल और जीवों को,
सदैव स्नेह से बचाएँ।

श्रीसेय कक्षा-नवीं-ए

उड़ान

अपनी थकान नहीं है रास्ता।
अपनी साँसों में बस मुस्कान है।
जो डर कर कभी न रुके,
मेरे उस हौसले की बात है।
गिरना भी क्या एक पड़ाव है ना,
संभालना अपनी पूरी बाकी है।
चाहे राहों में नया तूफान,
मेरी उड़ान अभी बाकी है।
न थक, न घबरा,
ऊँचो चढ़ाई हो अभी थोड़ी मुश्किल।

बढ़ाओ ये कदम, रुकना नहीं,
अब मेरी जीत की तैयारी।

अदिति – नवीं-बी

सपना

भविष्य की आँखों में है सपने,
मुझे पूरे तो कुछ अधूरे।
सपनों की दुनिया में खोकर,
हम नई राहें बनाते।
कुछ ख्वाहिशें, कुछ हासिल करने,
मुश्किलों से अब हम ना डरेंगे,
मंजिल की राहों पर भी चलकर,
हम सपनों को पूरा करेंगे।
नादानियों को पार कर,
पहाड़ों पर चढ़कर,
ऊँचाइयों से भी ऊँचे सोच लेकर,
किया हमने कदम कठिनाइयों से जीतकर।
आँखों में सपनों के पुंज,
ऊँचे सपने और उड़ान,
अब ना रहेंगे अधूरे,
पूरे होंगे मेरे सपने।

मेरी खूबसूरत दुनिया

बचपन की यादें बड़ी अनमोल,
छोटी सी उम्र का अनमोल खजाना।
कागज की नाव, बारिश का पानी,
याद दिलाए बचपन की कहानी।
माँ का आँचल, पिता का प्यार,
नन्हे से मन का प्यारा संसार।

खिलौनों संग बीतते थे दिन,

चिंता से दूर थे सारे पल-छिना

स्कूल की घंटी, दोस्तों का साथ,

टिफिन बाँटना और ढेरों बाता

छोटी-छोटी शरारतें करना,

फिर टीचर के डर से चुप हो जाना।

गर्मियों की छुट्टियाँ, नानी का घर,

खेलते थे हम दिन भरा

आम के पेड़ों पर चढ़ना,

खेतों में दौड़ना, हँसना-खेलना।

आज भी जब यादें आती हैं,

चेहरे पर मुस्कान लाती हैं।

काश वो बचपन फिर लौट आए,

मेरी खूबसूरत दुनिया फिर सज जाए।

खेल का मैदान

खेल का मैदान बुलाता है,

दौड़ो भागो का मन बहलाता है।

कबड्डी, खो-खो और रस्सी कूद,

पसीने में भी खिलती है धूप।

गेंद उछले तो सब हँसते हैं,

हार-जीत में भी साथ चलते हैं।

दोस्ती का रंग सबसे न्यारा,

खेल से ही बनता जीवन प्यारा।

घंटी बजते ही एक मैदान की ओर,

भागे सब एक ओर।

मेरे स्कूल का ये खेल का कोना,

यादों का सबसे ही मीठा कोना।

— हर्षिता शर्मा कक्षा – नवमी 'ब'

बेटी

चौंद-सितारे जैसी मेरी है बेटी,

खुशियों का आस लाई है बेटी।

ईश्वर की सौगात है बेटी,

सुबह की पहली किरण है बेटी।

तारों की शीतल छाया है बेटी,

आँगन की चिड़िया है बेटी।

त्याग और समर्पण सिखाती है बेटी,

नये-नये रिश्ते बनाती है बेटी।

जिस घर जाए उजाला लाती है बेटी,

बार-बार याद आती है बेटी।

बेटी की कीमत उनसे पूछो,

जिनके पास नहीं है बेटी।

विश्वास रख

वजह बेवजह बतियाते रहिए,

सारी विपदाएँ तुम्हारी नहीं हैं।

बस एक समझदारी रखिए कि,

सारी दुनिया तुम्हारी नहीं है।

जब मिले मौका मुस्कुराते रहिए,

सारी आफताएँ तुम्हारी नहीं हैं।

रिश्ते अपने को गुलज़ार रखिए,

दुश्मनी फितरत तुम्हारी नहीं है।

बस फरेबियों से खबरदारी रखिए,

बाकी जिम्मेदारी तुम्हारी नहीं है।

सब से भरपूर प्यार रख जनाब,

फिर कोई बेकारी तुम्हारी नहीं है।

आकृति कक्षा-नवीं-ए

धरती की शान

नदी गुनगुनाती बहती जाए,
जीवन का संदेश सुनाए
प्यास खेतों की हरियाली दे,
धरती माँ का मान बढ़ाए
पहाड़ अटल खड़े मुस्काते हैं,
हिम्मत का पाठ पढ़ाते हैं
औंधी, वर्षा, धूप सहकर,
संकल्प का दीप जलाते हैं
पेड़ छाया, फल और फूल दें,
जीवन की अनमोल उसूल दें
शुद्ध हवा का उपहार देकर,
धरती को खुशहाल करें
नदी, पहाड़ और पेड़ हमारे,
प्रकृति के हैं सुंदर सितारे
इनकी रक्षा करना सीखें,
यही है जीवन के सहारे

वंशिका सोंखला -नवीं-बी

सच्चाई

सच्चाई से बड़ी कोई अच्छाई नहीं,
झूठ से बढ़कर कोई बुराई है नहीं।
सच्चे को कष्ट होते रहते हैं जरूर,
मगर झूठ में कोई भलाई नहीं।
कपटियों में कोई होती खुदारी नहीं,
सच्चाई कभी किसी से हारी नहीं।
झूठ के कोई हाथ पाँव नहीं होते,
सच की चारदीवारी नहीं होती।
चुनना तो मुझे ही है अपना रास्ता,
झूठ से मेरा है नहीं कोई वास्ता।

सच्चा हूँ तभी तो कड़वा बोलता हूँ,
होता रहे जो होना हो कोई हादसा।

आराध्या नवीं-बी

मेरे भारत की शान

हिमालय सा ऊँचा है इसका मान,
गूँजता है जग में भारत का नाम।
नदियाँ गाती जीवन का गीत,
हर खेत में मेहनत की है प्रीति।

रंग अनेक पर दिल हैं एक,
यही है भारत की सच्ची टेका
मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा साथ,
प्रेम दिखाते हर एक राह।

वीरों ने हँसकर प्राण दिए,
आजादी के दीपक जला दिए।
उनके त्याग का रखें सम्मान,
बढ़ाएँ मिलकर देश की शान।

आओ मिलकर करें यह काम,
रोशन हो भारत का हर धाम।
मेहनत, सेवा और समर्पण,
यही हमारा सच्चा स्वाभिमान।

मानवी नवीं-बी

मेरी सोच

मेरी सोच है सबसे प्यारी,
सपनों की है दुनिया न्यारी।
मैं जीवन में आगे बढ़ूँ,
हर मुश्किल से खुद ही लड़ूँ।
गलती करके मैं सीखूँगी,
कभी हार से नहीं डरूँगी।

मेहनत से सपने सच करूँ,
अपना और सबका नाम करूँ।
अच्छा सोचूँ, अच्छा करूँ,
सबके दिल में खुशियाँ भरूँ।
यही है मेरी छोटी-सी सोच,
आगे बढ़ना हर दिन रोज़ा।

कृतिका नवीं-बी

बदलता परिवेश

जड़ों को ही दीमक लग चुकी है,
टहनियाँ अब कैसे बचेंगी।
अभी भूमि बेचना युवा वर्ग का है,
नहीं तो बेटियाँ भी नाचेंगी।
मुहल्ले को नशे की लत लग चुकी है,
अगली नस्लें कैसे बचेंगी।
आज बूढ़े मोड़ पर दुकानें लग चुकी हैं,
संजाल से नस्लें कैसे बचेंगी।
वक्त है अंदर बाहर कर लो सफाइयाँ,
नहीं बीमारियाँ की गंदगी मचेगी।
आदमजनों की इंसानियत मर चुकी है,
आखिर अब कैसे बचेगी।
माँ बचेगी, बहू, बुआ, भाभी और बेटी,
इंसानियत कैसे बचेगी।

तन्वी नवीं-बी

अनमोल मोती इस धरा के
पहाड़ के इन शेरों को प्रणाम,
पूरी वसुंधरा में इनके ही नाम,
वीर जिसने यह हैं पैदा किए,
भारत का कोटि-कोटि सलाम।

सिंचन के ये सारे सिपहसालार,
तब भी लड़े ना थे जब हथियार,
पाकियों-चिनियों के छक्के छुड़ाए,
हर चोटी हिंद का झंडा फहराए।
पथरीली धरती के हैं सारे ये शेर,
धैर्यवान ये ना जाने कोई हेर-फेर,
जरा उठाएँ भला कोई आँख इधर,
कर देंगे टुकड़े बिना किए कोई देरा।
लद्दाख स्काउट के प्यारे मुन्नु,
किसी के भाई किसी के मुन्नु,
हैं नज दिसाना लवी के जिस्सू,
मिले माँका जसवन्त इन्हें चुन्नु।

वंशिका ठाकुर नवीं-बी

वीर मेरे हिमाचल के

कारगिल की सुनो तुम कहानी,
वीरों ने कुर्बान की अपनी जवानी,
कर्इयों ने गँवाए अपने अंग,
बहनों के भाइयों की कुर्बानी।
शौर्य और बलिदान की है कहानी,
सर्वोच्च भारतीय परमवीर कहानी,
चौदह मई पच्चीस वर्ष पहले,
पाँच सौ सत्ताईस वारिसों की जुबानी।
हिमाचली वीरों की धरती सुनाती कहानी,
अपने चौवन वीरों की शहादत की कहानी,
कांगड़ा पंद्रह, मंडी बारह, हमीरपुर आठ,
बिलासपुर सात, शिमला चार, सोलन दो, ऊना दो।
चंबा, कुल्लू एक-एक शहीदों ने,
कारगिल बना ऐसे सपूत,
बने कारगिल खून से लाल,
इनकी माताओं को मेरा प्रणाम।

सान्वी सोहरू नवीं-बी

सपने

हवाओं से कह दे रुख बदल लें,
अब तेरी जीत की तैयारी है।

अदिति , नवीं बी

सबकी आँखों में हैं सपने,
कुछ पूरे तो कुछ अधूरे,
सपनों की दुनिया में खोए,
हम नन्हें बच्चे सारे।

प्रकृति की पुकार

सुबह-सुबह जब सूरज आए,
सुनहरी किरणें साथ में लाए।

पेड़, नदी और ठंडी हवा,
इनसे ही तो जीवन सजा।

फूलों की खुशबू बगीचा महकाए,
चिड़ियों का संगीत मन को खुशी दिलाए।

हरी-भरी धरती मुस्कुराती,
हर मौसम नई उमंग लाए।

आओ मिलकर यह प्रण करें,
प्रकृति की हर रोज़ रक्षा करें।

समर राणा नवीं-बी

कुछ खोएँगे, कुछ हासिल करेंगे,
मुश्किलों से अब हम ना डरेंगे,
काँटों की राहों पर भी चलकर,
हम सपनों को पूरा करेंगे।
नदियों को पार कर,
पहाड़ों पर चढ़कर,
ऊँचाइयों से भी ऊँचे सोच लेकर,
दिया है जो हम कठिनाइयों से जीतकर।

आँखों में होंगे खुशी के आँसू,
ऊँचे रहेंगे सदा सर अपने,
अब ना रहेंगे अधूरे,
पूरे होंगे सारे सपने।

केशव नवीं-बी

हवा

उड़ान

अभी थमा नहीं है रास्ता,
अभी तो बस शुरुआत है।
जो टूट कर भी न झुके,
ये उस हौसले की बात है।
गिरना तो बस एक पड़ाव है था,
कहानी अभी पूरी बाकी है।
चोट गहरी है तो क्या हुआ,
तेरी उड़ान अभी बाकी है।
तू रात नहीं चिंगारी है,
उठ खड़ा हो अब तेरी बारी है।

ऊपर-नीचे, दाएँ-बाएँ,
हवा चली साँय-साँया

मुन्नी को दौड़ाकर,
चढ़ गई पेड़ पर।

हाथ नहीं आऊँगी,
दूर मैं उड़ जाऊँगी।

मुन्नी बोली हँसकर,
हवा रानी बस करा

पकड़ मुझे ले जाऊँगी,
फूलों में ले जाऊँगी।

— अनय शर्मा नवीं-बी

औरों की खातिर

जो अपना ना देखे, मन से उसे सभी अच्छा पड़ता है,

ज़िंदगी की चलने के साथ में रहना पड़ता है।

कोई भी मेरे तुम्हारी दुहाई तो न ज़मीं देगा,
क्या बार खुद खाली उस पर सजना पड़ता है।

है इस दौर के सभी तो सदा दिल में रख लेना,
देख तो औरों की खातिर इसे पर बढ़ना पड़ता है।

कोई मिट्टी का ढेला हो या कोई सोने की,
बोझ बढ़ जाए जिसका भी उसे तो हटना पड़ता है।

जो जिसको प्यार है मधुकर वही बस खास अपना,

सभी का देख लो दिल को बनाना पड़ता है।

दिवांशी, नवी-बी

बिंदास सोच

वजह बेवजह बतियाते रहिए,
सारी विपदाएँ तुम्हारी नहीं हैं।

बस एक समझदारी रखिए कि,
सारी दुनिया तुम्हारी नहीं है।

जब मिले मौका मुस्कुराते रहिए,
सारी आफताएँ तुम्हारी नहीं हैं।

रिश्ते अपने को गुलजार रखिए,
दुश्मनी फितरत तुम्हारी नहीं है।

बस फरेबियों से खबरदारी रखिए,
बाकी जिम्मेदारी तुम्हारी नहीं है।

सब से भरपूर प्यार रख जसवन्त,
फिर कोई दावेदारी तुम्हारी नहीं है।

श्रेया नवी-बी

धार्मिक प्रपंच

खुदा बंदों में बसते हैं, सब कहते हैं,
फिर ये कुछ दीवाने क्यों बनते हैं।
वाह रे खुदा तेरी इस जन्मत में,
यह पुजारी भला कहाँ से आए,
क्या कोई है जवाब तेरे पास,
बर्बाद ला के इन्होंने जन्मत में।

तबाह कर दी इन्होंने यह दुनिया,
पंडितों, मौलवियों बाकी ठेकेदारों ने,
धर्म नाम पर दहशत फैला दी जन्मत में,
कर दे ऐसा कोई रहम हम पर खुदा,
भाईचारा फिर से ला दे धरती पे,
सच्चा प्यार बख्श ला दे जन्मत में।

शना हुसैन नवी-बी

विद्यालय

ईंटों से बनी इमारत को, विद्यालय नहीं कहते,
विद्यालय तो वह स्थान है,
जहाँ सपनों को दिशा मिलती है।

कभी ब्लैकबोर्ड पर लिखे शब्द,
जीवन का अर्थ समझाते हैं,
तो कभी शिक्षक की एक सीख,
वर्षों तक साथ निभाती है।

गलियारों में गूँजती हँसी,
प्रार्थना की मधुर धुन,
पुस्तकों की स्याही से लिखते,
हम अपने आने वाले कल का गुणा

हार मिले तो साहस सीखें,
जीत मिले तो विनम्र रहें,
यही पाठ जो विद्यालय सिखाए,
उन्हें जीवन भर स्मरण रखें।
विद्यालय केवल शिक्षा नहीं,
संस्कारों का दीप जलाता है।
यहीं से हर नन्हा कदम,
अपने भविष्य की ओर बढ़ जाता है।

कनिका कक्षा – नवमी (ब)

क्या लिखूँ? — कविता

स्कूल में सीजन हम रही हैं
मिला है मुझे समाचारा
सीखा मैंने भी लिख डालूँ,
आर्टिकल दो चारा
कविता लिखूँ, कहानी लिखूँ,
या फिर कोई लेखा
इस सोच में बैठी मैं,
सिर घुटनों पर टेका
सोचूँ क्या विषय बनाऊँ,
या कोई प्रसंगा
लिखी पढ़े जिसको सब,
और ना हो कोई तंगा
सोचा बहुत कुछ लिखने को,
कोई मिला ना विषया
इस सोच में बैठे-बैठे,
शाम-रात में ढली।
इन्हीं विचार में खोकर,
एक तुकबंदी मार डाला।
टूटे-फूटे शब्दों में,
इस कविता को लिख डाला।

यारिस्मन, नवमी (ब)

प्रकृति का उपहार

नीला-नीला खुला गगन,
हरियाली से सजा चमना
मीठी-मीठी चले हवा,
खुशियों का देती पता।
कल-कल करती बहती नदी,
फूलों की महके हर कली।
पक्षी गाते मधुर तान,
जले उठता हर एक प्राणा
सूरज देता नई उमंग,
चाँद बिखेरे शीतल रंगा
तारे चमकें सारी रात,
प्रकृति करती हमसे बाता
आओ मिलकर लें यह ठान,
रखेंगे प्रकृति का सम्मान।
पेड़ लगाएँ, जल बचाएँ,
धरती को फिर स्वर्ग बनाएँ।

दर्शिका नवी-ए

भारत की पहचान

यह मिट्टी केवल धूल नहीं,
यह वीरों के बलिदानों की पहचान है।
मेरा वतन केवल ज़मीन नहीं,
यह मेरे अस्तित्व का आधार है।
यही भारत की पहचान है।
इसकी नदियाँ, पर्वत और खेत,
मेरे जीवन का पहला संसार हैं।
बहती गंगा, लहराता तिरंगा,
यही मेरे देश की पहचान है।
यही भारत की पहचान है।

जहाँ वीरों ने अपने प्राण हैं त्यागे,
 वहीं मेरे जन्म का स्थान है।
 भारत को आगे बढ़ाना,
 श्रेष्ठ पीढ़ी का निर्माण कराना।
 भारत महान है,
 हम भारत की आन, बान और शान हैं।
 यही भारत की पहचान।
 इस देश को बचाना और इसे आगे बढ़ाना,
 हमारा ही तो काम है।
 आओ मिलकर ऐसा भारत बनाएँ,
 जिस पर हर भारतवासी को अभिमान है।
 यही भारत की पहचान है॥

इंदिरा ठाकुर, कक्षा – 9वीं A

छोटी सी उड़ान

सुबह होती है, सूरज मुस्कुराता है,
 मेरे सपनों में रंग फैलाता है।
 किताब खोलूँ तो शब्द नाचते हैं,
 मेरे हाथों में साथ-साथ बढ़ते हैं।
 रास्ता लम्बा है, थकान भी आती है,
 पर मन कहता, "अभी और आगे जाना है।"
 गिरूँ भी तो फिर से उठ जाना है,
 हार मान कर कभी ना घबराना है।
 लोग कहेंगे, "ये मुमकिन नहीं",
 मैं कहूँगी, "देखना एक दिन सही।"
 छोटी-सी चिंगारी बड़ी आग बनेगी,
 मेरी मेहनत एक दिन रंग लाएगी।
 आसमान भी एक दिन छोटा लगेगा,
 जब मेरा नाम हर जुबान पे चमकेगा।
 बस विश्वास रखूँ, हिम्मत ना हारूँ,
 अपनी कहानी खुद लिखूँ सारी।

प्रियंका शर्मा नवी-ए

सपनों की उड़ान

रोज सुबह उठकर स्कूल को भागना,
 देर रात तक जागकर पढ़ाई में जुटना।
 कभी मैथ्स का डर, कभी साइंस की टेंशन,
 पर दिमाग में हे बस बड़ा बनने का मिशन।
 पार्टि करने का बड़ा मन सा लगता है,
 क्योंकि दिल में उड़ने का हौसला जगता है।
 दोस्तों की मस्ती और टीचर्स की डाँट,
 सब के बीच चलती है हमारी लाइफ की राह।
 फोन की स्क्रीन से थोड़ा ध्यान हटाना है,
 ग्राउंड में जाकर फिर से पसीना बहाना है।
 सिर्फ पास होना ही हमारा टारगेट नहीं,
 दुनिया को दिखाना है हम किसी से कम नहीं।
 मुश्किलें कितनी भी आएँ, हम डरने वाले नहीं,
 क्लास 9th के लड़के हैं, पीछे हटने वाले नहीं।
 मेहनत की कलम से अपनी किस्मत खुद
 लिखेंगे,
 देखना एक दिन हम भी आसमान में चमकेंगे।

– अनिकेत शर्मा नवी-ए

नन्हे कदमों

नन्हे कदम बढ़ाते जाना,
 सपनों को सच करते जाना।
 गिर जाऊँ तो फिर उठ जाना,
 हँसते-हँसते आगे आना।
 सूरज रोज़ सिखाता हमको,
 नई सुबह फिर आती है।
 मेहनत करने वाले बच्चों,
 जीत हमेशा पाते हैं।
 मुश्किल से कभी मत घबराना,
 हिम्मत को मत खो देना।

सच्चाई और मेहनत का,
साथ कभी न छोड़ देना।

अच्छी बातें, अच्छे काम,
यही हमारी पहचान।
माँ-बाप, गुरु का मान करो,
यही है सबसे बड़ा सम्मान।
पढ़ना, लिखना, खेल भी खेलो,
हर पल कुछ सीखते जाओ।
अपने छोटे-छोटे सपनों को,
बड़े इरादों से सजाओ।
याद रखो, ये प्यारे बच्चों,
तुममें छिपी है नई उड़ान।
विश्वास रखो अपने मन पर,
एक दिन होगा ऊँचा नाम।

हरिषिता ठाकुर नवीं बी -11

नारी अब अपराजय

मत छीनो उसकी उड़ान,
वह भी इस धरती की शान।
हर आँख का हिसाब होगा,
अब अत्याचार का जवाब होगा।

जो बेटी पर हाथ उठाए,
वह इंसान नहीं कहलाए।
नारी का अपमान करने वाला,
कभी सम्मान नहीं पाए।
डर नहीं, अब आवाज़ उठेगी,
हर दीवार आज टूटेगी।
अन्याय की हर जंजीर टूटे,
सच्चाई की मशाल जले।
नारी शक्ति है, नारी सम्मान,
यही है भारत की पहचान।

जो नारी का सम्मान करेगा,
वही सच्चा इंसान कहलाएगा।

– कृतिका राणा-नवीं-बी

मेरा मेहनत की राह

सुबह की पहली किरण कहे,
उठो, नया विश्वास रहे।
ज्ञान का दीप जलाते चलो,
सपनों को सच बनाते चलो।

किताबों में छिपा उजियारा,
बनता जीवन का सहारा।
हर पन्ना देता नई उड़ान,
बढ़ता जाता अपना ज्ञान।

राह कठिन हो, मत घबराना,
हिम्मत से आगे बढ़ते जाना।
मेहनत कभी व्यर्थ न जाती,
हर कोशिश मंजिल तक लाती।

कलम हमारी शक्ति बने,
हर सपना अपनी भक्ति बने।
सीख यही हर दिन अपनाएँ,
भारत का गौरव बन जाएँ।

– याशिका ठाकुर, 9वीं 'ब'

आज का संसार

ईश्वर ने रची यह सुंदर धरती और संसार,
जहाँ प्रकृति, पशु और इंसान हैं अपारा।

पर कलयुग में बढ़ रही है हर ओर बुराई,
फिर भी हर दिल में बसती है थोड़ी-सी अच्छाई।

युद्ध से दुखी हो जाता है पूरा संसार,
शांति बनाए रखना है हर राज्य का अधिकार।

अच्छा हो राजा और अच्छी हो सरकार,
तभी खुशहाल बनेगा यह सुंदर संसार।
ईश्वर से हम सब यही प्रार्थना करते हैं,
प्रेम और अच्छाई के रास्ते पर चलते हैं।

नव्या – नवी-बी

मेहनत करो

राह में जब भी मुश्किलें आएँ,
कदम कभी न पीछे हटाओ।
रुक जाना नहीं किसी भी हाल में,
कड़ी मेहनत करो।

पसीने की हर एक बुँद से,
लिखी जाती है नई कहानी।
जो डरते नहीं तूफानों से,
कड़ी मेहनत करो।

सोचने से न बदलती है दुनिया,
हर रोज नया एक प्रयास करो।
हौसलों में भरो उड़ान अपनी,
और अपनी मंजिल को हासिल करो।

— शैलजा कुमारी, नवमी 'ब'

मोहक-वन

एक बार मैं था उस वन में,
भटक रहा था मगन मन में।
था मिज़ाज मेरा बेहद खूब,
रेशम-सी हवा घास रही थी झूमा

एक बार था मैं उस वन में,
पहुँचा शांति थी जहाँ कण-कण में।
सम्मुख एक वृक्ष पर अंकित था संदेश,
"माँगोगे वरदान" मिलेंगे सारे क्लेश।

एक बार मैं था उस वन में,
उठा कौतुक अनोखा अंतर्मन में।
"क्या स्वर्ग-सा यह चमत्कारी धाम?
या शेष दिया किसी ने देकर विश्राम?"

खड़ा रहा मैं उस वृक्ष के पास,
सूझा मस्तिष्क, न कोई विशेष आसा।
माँग बैठा सब पर सूझे न माँगा,
खो दिया मैंने वह सुनहरा धागा।

मुझे माँगनी चाहिए थी सबकी भलाई,
कल्याण की भाव न जो मन में न आई।
माँग लिया उस दिव्य वृक्ष का उपहार,
लालच में खो बैठा सच्चा प्यारा।

सौरभ रोल नं. – 22, 'अ' कक्षा – नवी 'अ'

मैं अपनी राह बनाऊँगी

राह नई हो, डर कैसा,
मन में हो विश्वास।
छोटे-छोटे कदम बढ़ाकर,
छू लूँगी आकाश।
मुश्किल आए, रुकूँ न मैं,
हार से न घबराऊँगी।
अँधियारे में दीप बनकर,
अपनी राह बनाऊँगी।
सपने मेरे छोटे नहीं,
हौसले भी कम नहीं।
मेहनत मेरी साथी है,
मंजिल मुझसे दूर नहीं।

कल क्या होगा, कौन जाने,
आज को सुंदर बनाऊँगी।
अपने मन की शक्ति से,
नई कहानी लिख जाऊँगी।

अंशिका नायक नवी-अ

बग और चाय

क्लास से लेक्चर, दिमाग में कोड,
घर आते ही खुला कंप्यूटर का मोडा
एक गलती आई, स्क्रीन हुई लाल,
चाय का घूँट लिया, फिर से संभाला

दोस्त बोला 'सो जा' कल देखेंगे,
मैं बोला एक लाइन और देखेंगे।
गूगल खोला, नोटबुक भी टटोली,
साढ़े वन से एक-एक कर खोली।

आधी रात जब कोड रन हुआ,
खुशी से दिल का कोना भर आया।
डेडलाइन सर पर, समय कम था,
नींद को बोला भाई थोड़ा दम था।

रनटाइम भी पास, प्रोजेक्ट भी भारी,
दोनों के साथ निभाई जिम्मेदारी।

थकान भी है, मेहनत की शान भी है,
छात्र जीवन की यही पहचान भी है।
गिरकर उठना है, उठकर सीखना है,
यही तो कोडिंग का असली वरदान है।

तान्या शर्मा ग्यारहवीं-अ

प्रकृति

हरी भरी यह हमारी धरती,
हर मन को अपनी सुंदरता से भरती।

पेड़, पौधे, नदियाँ और झरने,
हरते हैं मन को यह सब के...

पेड़ हमें देता फल और मधुर छाया,
विशाल है इसका रूप, हर दिल को है यह भाया।

अपने साथ हैं, रंगों भरी खुशियों ये लाया,
फूलों की उपहार से खुशबू।

मन को हैं सबके भाया, हर दिल इसका रंग के
खुशहाल हो जाए...

हरी भरी यह हमारी धरती,
हर मन को अपनी सुंदरता से भरती।

नाम → रैलिश सिंह, नवमी 'अ'

सुबह का नया सवेरा

सूरज की पहली किरण ने,
सोती हुई धरा को जगाया।
ओस की नन्हीं बूंदों ने,
फूलों पर मोती बिखराया।

चहक उठी हैं सब शाखाएँ,
पंछियों ने संगीत सुनाया।
मंद-पवन के झोंकों ने,
हर चेहरे पर उल्लास सजाया।

छूट गया रातों का साया,
नया दिवस रंग-रंग में आया।
चल पड़े हम अपनी राह पर,
एक नया संकल्प मन में भाया।

सक्षम बाली, नवीं-अ

फोन

जब हम हाथ में आते,
हम सब भूल जाते।

पता नहीं चलता क्यों मेरे दिल की बात,
न जाने कितना बिजली बिल हो खासा।

दिखते हैं हम तुम्हें पेट भरते,
कभी बैठकर कभी सड़क पर।

लगता नहीं आती है पानी पीते हुए,
बिना शर्म के सिसकियाँ जिंदगी जीते हुए।

कहानी तो कहानी है उसे पढ़ना कौन है,
क्योंकि हर बच्चे के हाथ में फोन है।
लत लग जाती है फोन की बच्चों को,
ना दो तो गुस्सा करते हैं सबको।
अपने तो अपने थे लग गए पराए,
क्योंकि माँ-बाप ने हैं उन्हें सर पर चढ़ाए।

नाम – निखिल, नवी-अ

ज्ञान की ज्योति

ज्ञान की ज्योति जलाएँ हम,
नव सपनों को सजाएँ हम।
विद्या के पथ पर बढ़ते जाएँ,
भारत का मान बढ़ाएँ हम।
केन्द्रीय विद्यालय की धरती,
अनुशासन की सुंदर मूरत।
गुरुओं का आशीष मिले तो,
हर मुश्किल हो जाए आसान।
हिमाचल की पावन वादियों में,
हम शिक्षा के दीप जलाएँ।
मेहनत, साहस, सत्य के बल पर,
नई ऊँचाइयाँ हम पाएँ।
विज्ञान हमारा पंख बने,
संस्कार हमारी पहचान।
ज्ञान, कर्म और सेवा से,
रोशन हो अपना हिंदुस्तान।
आज विद्यार्थी, कल निर्माता,

देश का उज्ज्वल भविष्य हम।
“जय हिंद” की गूँज के साथ,
भारत माँ के प्रहरी हम।
आओ मिलकर शपथ ये लें—
ज्ञान का दीप न बुझने देंगे।
अपने कर्मों से भारत को,
विश्व-शिखर पर पहुँचाएँगे।

नाम: कशिश डोगरा, कक्षा: ग्यारहवीं 'अ'

उम्मीद की किरण

जब भी अँधेरा घिर आता है,
मन थोड़ा घबराता है।
तभी कहीं एक छोटी-सी किरण,
नई सुबह का गीत सुनाती है।
राह कठिन हो, कदम थक जाएँ,
सपने फिर भी मुस्काएँ।
मेहनत की हर बूँद-बूँद,
एक दिन सागर बन जाए।
पेड़ खड़े हैं धूप सहकर,
नदियाँ चलती चट्टानें लाँघकर।
प्रकृति हर पल यही सिखाती,
हिम्मत रखो, मत जाना थककर।
हार अगर आज मिल भी जाए,
दिल का दीप न बुझने पाए।
जो विश्वास स्वयं पर रखता,
वही सफलता को अपनाए।
चलो मन में ऐसी छाप छोड़ें,
सच और प्रेम के दीप जोड़ें।
जीवन का सबसे सुंदर धन,
अच्छे कर्म और सच्चा मन।

नाम – वंश मनकोटिया कक्षा – 9वीं -अ

एक दिन घंटी हमारे बिना बजेगी

एक दिन घंटी बजेगी...

मगर हम नहीं होंगे,

वही गलियारे होंगे,

वही दीवारें होंगी,

बस हमारी हँसी के

किस्से कहीं पुराने होंगे।

वही बेंच होगी—

जिस पर नाम नहीं,

हमारी शरारतें लिखी थीं,

वही खिड़की होगी—

जिससे झाँककर हमने

कितनी छुट्टियाँ गिनी थीं।

कभी जिस ब्लैकबोर्ड पर

चॉक की लकीरें मिटती थीं,

वहीं हमारी अधूरी बातें

शायद आज भी ठहरी होंगी।

प्रार्थना की कतारें बदलेंगी,

चेहरे नए हो जाएँगे,

पर उस मैदान की मिट्टी में

हमारे कदमों के निशान

कहाँ इतने जल्दी मिट जाएँगे?

वो डाँट भी याद आएगी,

जिसे तब हम सज़ा समझते थे,

आज पता चलेगा—

उसमें भी किसी शिक्षक का

हमारे लिए सपना छुपा था।

दोस्तों के साथ बिताए

वो छोटे-छोटे पल,

तब मामूली लगते थे...

पर शायद वही पल

बड़े होकर हमारी

सबसे कीमती दौलत होंगे।

फिर किसी दिन

हम लौटेंगे इसी दरवाज़े पर,

थोड़े बड़े, थोड़े बदले हुए...

और स्कूल शायद पहचान लेगा हमें—

हमारी आँखों की चमक से।

तब समझ आएगा—

हमने स्कूल छोड़ा ही कब था?

हम तो बस

कक्षा से निकलकर

ज़िंदगी की अगली कक्षा में गए थे।

और पीछे मुड़कर देखेंगे तो—

घंटी फिर बजेगी...

इस बार हमें बुलाने के लिए नहीं,

हमारी यादों को जगाने के लिए।

क्योंकि कुछ जगहें

हम अपनी ज़िंदगी में छोड़ आते हैं,

पर कुछ जगहें...

हमारी ज़िंदगी बनकर

हमारे भीतर हमेशा रह जाती हैं।

रिधिमा धीमान, ग्यारहवीं-अ

डॉक्टर न भी बनी तो, पर हँसना मत भूलना।

उस दिन के बाद अनायास स्कूल के समारोह में
कविता सुनाने लगी।

विषय वही था— “जुनून”

आखिरी पंक्ति पर पूरा हॉल तालियों से गूँज
उठा—

“दिल ही जानता है मेरा, कितना कुछ सह रहा
हूँ,
उस दिन से मैं, दिन-ब-दिन खो रहा हूँ”

मैंने गज़ल में जब यह कहानी सुनी, तो नीचे
लिखा था—

“हर बच्चे के नसीब के नीचे एक कहानी होती
है,
उसे पढ़ना सीखो”

नाम → वर्षा, कक्षा → 11वीं 'अ'

शिक्षा की ज्योति

ज्ञान की बातें सुनो भैया,
शिक्षा है सबसे बड़ी दौलाई
पढ़ो किताबें, सीखो नए सपने,
बन जाओ अपने आप के चैंपियन।
अक्षरों का संसार पवित्र,
गणित, विज्ञान, सब कुछ सीखो।
गुरु का आशीर्वाद है अमूल्य,
शिष्य बने, ज्ञान को पाओ।
कठिन रास्ते, कठिन पहाड़,
पर शिक्षा से सब संभव है।
मन को शांत, बुद्धि को तीव्र,
बने नए भारत के सवेरे।
खेल-खेल में सीखो,
कभी न करो अकेले रहना।
दोस्तों के साथ चलो,
आगे बढ़ो, लक्ष्य पाओ।
जो आज पढ़ते हैं मन लगाकर,

वो कल बनेंगे देश के तारे
शिक्षा है पंखों का काम,
उड़ाएगी तुम्हें आसमान में।

अर्नीश वर्मा दसवीं-बी

मेरी मेहनत की उड़ान

किताबें खोलूं तो सपने दिखते हैं,
अक्षर-अक्षर में कल के सिक्के दिखते हैं।
नींद आए भी तो कह दूं "रुक जा",
लक्ष्य बड़ा है, अभी बहुत कुछ है करना।
दुनिया कहे "तू थक जाएगा",
मैं बोलूं "मेरा संकल्प मुस्कुराएगा"।
असफलता आए सौ बार दरवाजे पर,
दृढ़ता रखूं तो हर बार वो हारेगी सर।
सिलेबस का पहाड़ जब सामने आता है,
अध्यवसाय का बेलचा उसे हटाता है।
मॉक में नंबर गिरें तो घबराता नहीं,
गलती से सीखकर आगे बढ़ता सही।
दोस्त पूछें "पार्टी कब होगी?",
मैं कहूं "जब कीर्तिमान की घंटी बजेगी"।
टीचर का "शाबाश" और घर का गर्व,
इसी के लिए करता हूं हर दिन संघर्ष।
कलम चले तो तकदीर बदलती है,
आकांक्षा रखो तो मंजिल मिलती है।
हार-जीत की बातें बाद में होंगी,
पहले खुद से किया वादा निभाना होगा।

नाम - तान्या शर्मा, कक्षा - ग्यारहवीं 'अ'

छोटी आदतें बड़ी सफलता

हर व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहता है। अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता केवल बड़े अवसरों या असाधारण प्रतिभा से मिलती है, लेकिन वास्तव में सफलता का सबसे मजबूत आधार हमारी छोटी-छोटी आदतें होती हैं। जो व्यक्ति प्रतिदिन अनुशासन, समय की पाबंदी और निरंतर सीखने की आदत अपनाता है, वह धीरे-धीरे अपने लक्ष्य के करीब पहुँच जाता है।

सुबह समय पर उठना, दिन की योजना बनाना, नियमित अध्ययन करना, दूसरों का सम्मान करना और अपने कार्य को पूरी ईमानदारी से करना ऐसी आदतें हैं जो व्यक्ति के जीवन को मजबूत बनाती हैं। शुरुआत में इन आदतों का प्रभाव छोटा दिखाई देता है, लेकिन समय के साथ यही आदतें बड़ी उपलब्धियों का कारण बनती हैं। इसके विपरीत आलस्य, टालमटोल और समय की बर्बादी व्यक्ति की क्षमता को कम कर देती हैं।

असफलता भी सफलता की यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। गलतियों से घबराने के बजाय उनसे सीखना चाहिए। प्रत्येक असफलता प्रयास हमें कुछ नया सिखाता है और भविष्य के लिए अधिक सक्षम बनाता है। आत्मविश्वास, धैर्य किसी भी कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने की शक्ति देते हैं।

अर्नव ठाकुर, नवी-अ

भारतीय सेना

भारतीय सेना विश्व की सबसे साहसी सेनाओं में से एक है। इसका मुख्य कार्य देश की सीमाओं की रक्षा करना तथा देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना है। भारतीय सेना के जवान हर परिस्थिति में अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। चाहे भीषण ठंड हो, तेज गर्मी हो या कठिन पहाड़ी क्षेत्र, वे हमेशा देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

हर भारतीय को अपनी सेना पर गर्व है। हमें सेना के जवानों का सम्मान करना चाहिए और उनके बलिदानों को कभी नहीं भूलना चाहिए। भारतीय सेना हमें देशभक्ति, अनुशासन और निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देती है। यही कारण है कि भारतीय सेना पूरे देश के लिए गौरव और सम्मान का प्रतीक है।

नैतिक, नवी-बी

मेरी कलह

- * पेंसिल की लकीरो से शुरू होती है मेरी कलहा
- * चितर बनाने की कोशिश करती हूँ, पर कुछ गलतियाँ कर देती है असफल मेरी कलहा
- * फिर भी मैं कोशिश करती हूँ सुधारने की अपनी कलहा
- * और आखिर कर हो जाती है सफल मेरी कलहा
- * कई घंटे बैठी रहती हूँ 1 चितर बनाने के लिए
- * फिर पीठ दर्द हो जाती है 1 महर्म लगाने के लिए
- * फिर भी सभी पसंद करते हैं मेरी कलहा
- * और ऐसे ही मैं बनाती जा रही हूँ अपनी कलहा
- * पढ़ाई के चक्कर में नहीं दे पाती हूँ समय अपनी कलह को।
- * अगर ऐसा ही रहा, खत्म हो जाएगी मेरी कलह तो।
- * इसलिए मैं कोशिश करती हूँ अपना सारा समय कलह को बनाने के लिए
- * पर पढ़ाई को भी तो समय देना है अच्छे नंबरों से पास होने के लिए
- * कभी कभार डाँट देते हैं इस कलह के पीछे
- * पर मैं क्षिरिन भागती रहूँगी इस कलह के पीछे
- * और एक दिन दिखा दूँगी सबको कि मैं एक कलह कर हूँ।

क्षिरिन दसवीं-बी

महिलाओं का संघर्ष

महिलाओं ने अपने अधिकारों, सम्मान और समानता के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है। पुराने समय में महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और अपने जीवन से जुड़े निर्णय लेने के पर्याप्त अवसर नहीं मिलते थे। आज स्थिति में काफी सुधार हुआ है। महिलाएँ शिक्षा, विज्ञान, चिकित्सा, राजनीति, खेल, सेना और व्यवसाय जैसे अनेक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। फिर भी कई महिलाओं को भेदभाव, असमानता और सुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शिक्षा और रोजगार के समान अवसर देना आवश्यक है। परिवार और समाज को बेटियों और बेटों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए। महिलाओं की प्रगति से पूरे परिवार और समाज का विकास होता है। इसलिए हमें महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर देने चाहिए।

— कोमल शर्मा- ग्यारहवीं-ए

वर्ष 2050 का रोबोट और मानव जीवन

वर्ष 2050 तक विज्ञान और तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी होगी। रोबोट हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। वे घर के कामों में सहायता करने, अस्पतालों में मरीजों की देखभाल करने और कठिन कार्यों को पूरा करने में मनुष्यों की मदद करेंगे। स्कूलों में रोबोट शिक्षक भी विद्यार्थियों को पढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। अंतरिक्ष की खोज और खतरनाक स्थानों पर काम करने में भी रोबोट उपयोगी होंगे। हालांकि, हमें यह ध्यान रखना होगा कि रोबोट मनुष्य के सहायक हैं, उनका स्थान लेने वाले नहीं। तकनीक का सही और जिम्मेदारी से उपयोग करके हम भविष्य को बेहतर और सुरक्षित बना सकते हैं।

वर्ष 2050 तक विज्ञान और तकनीक बहुत आगे बढ़ चुकी होगी। रोबोट हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। वे घर के कामों में सहायता करने, अस्पतालों में मरीजों की देखभाल करने और कठिन कार्यों को पूरा करने में मनुष्यों की मदद करेंगे। स्कूलों में रोबोट शिक्षक भी विद्यार्थियों को पढ़ाने में सहायता कर सकते हैं। अंतरिक्ष की खोज और खतरनाक स्थानों पर काम करने में भी रोबोट उपयोगी होंगे। हालांकि, हमें यह ध्यान रखना होगा कि रोबोट मनुष्य के सहायक हैं, उनका स्थान लेने वाले नहीं। तकनीक का सही और जिम्मेदारी से उपयोग करके हम भविष्य को बेहतर और सुरक्षित बना सकते हैं।

मन्नत, ग्यारहवीं-अ

पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, पेड़-पौधे और हरियाली हमें स्वस्थ जीवन देते हैं। आज बढ़ते प्रदूषण और पेड़ों की कटाई के कारण पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुँच रहा है।

हम सभी का कर्तव्य है कि हम पर्यावरण की रक्षा करें। अधिक से अधिक पेड़ लगाएँ, पानी और बिजली की बचत करें, प्लास्टिक का कम उपयोग करें तथा अपने आसपास सफाई रखें। छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

यदि हम आज प्रकृति की रक्षा करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिलेगा। आइए, हम सभी मिलकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लें और धरती को हरा-भरा तथा सुंदर बनाएँ।

कशिश ठाकुर, नवीं-अ

मतदान

मतदान लोकतंत्र की सबसे मजबूत और पवित्र नींव है। भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश में मतदान केवल हमारा कानूनी अधिकार नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। हमारा एक-एक वोट देश के भविष्य और विकास की दिशा तय करता है।

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें अमीर-गरीब, जाति या धर्म का कोई भेद नहीं होता। देश के हर वयस्क नागरिक के वोट की कीमत बिल्कुल बराबर होती है। अक्सर लोग सोचते हैं कि उनके एक वोट से क्या बदलेगा, लेकिन याद रखें बूँद-बूँद से सागर बनता है।

हमारा एक सही फैसला देश को प्रगति के रास्ते पर ले जा सकता है, वहीं हमारी एक लापरवाही गलत प्रतिनिधि को सत्ता सौंप सकती है। इसलिए हमें बिना किसी डर, लालच या बहकावे के पूरी ईमानदारी से मतदान करना चाहिए। जागरूक मतदाता ही एक मजबूत, समृद्ध और भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

कशिश, नवी-अ

स्वस्थ बच्चे, स्वस्थ भारत

भारत एक युवा देश है और देश की सबसे बड़ी ताकत उसके बच्चे होते हैं। बच्चे ही देश का भविष्य होते हैं। यदि बच्चे स्वस्थ होंगे तो हमारा देश भी स्वस्थ, मजबूत और शक्तिशाली बनेगा। इसलिए कहा जाता है—

“स्वस्थ बच्चे, स्वस्थ भारत”

स्वास्थ्य एक व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यदि बच्चे शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक रूप से स्वस्थ होंगे, तो वे अच्छे नागरिक बन पाएँगे। वे पढ़ाई, खेलकूद और समाज सेवा में आगे रहेंगे।

स्वस्थ रहने के लिए बच्चों को संतुलित आहार, साफ-सफाई, पर्याप्त नींद, समय पर टीकाकरण और व्यायाम की आवश्यकता होती है। इसके साथ-साथ मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए उन्हें अच्छा वातावरण, प्यार, सकारात्मक सोच और तनावमुक्त जीवन मिलना चाहिए।

सरकार को चाहिए कि वह स्कूलों में पोषण आहार योजना, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य जाँच और खेलकूद की सुविधाएँ उपलब्ध कराए। समाज को सभी बच्चों को स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन और शिक्षा देने में सहयोग करना चाहिए।

गुंजन, नवी-अ

“द ग्रेट लंच चोर”

कक्षा 9वीं 'अंजली' के लिए मंडे का दिन बहुत बेकार था। उसकी मम्मी ने आज लंच बॉक्स में उसकी नापसंद लौकी की सब्जी और पराठा पैक कर दिया था। थर्ड पीरियड में जब उसके पेट में चूहे कूद रहे थे, तो उसने उदास होकर अपनी पक्की दोस्त पलक से कहा, “यार पलक, आज फिर लौकी! मेरा तो मूड ही खराब हो गया।”

पलक ने मुस्कुराते हुए फुसफुसाया, “तू टेंशन कर बाई, मैं पास्ता लाई हूँ। इंटरवल में शेयर करेंगे।”

जैसे ही लंच की घंटी बजी, पलक ने जैसे ही अपना पास्ता का डिब्बा खोला, बगल की बेंच से दो-तीन सहेलियों-गीते की रफ्तार से उन पर झपटीं। मात्र दो मिनट के अंदर पलक का पास्ता बिल्कुल गायब हो गया। पलक ने रोनी शक्ल बनाकर कहा, “अरे यार! तुम सब तो पूरा चट कर गईं, मेरे लिए तो कुछ छोड़तीं!”

तभी अंजली ने डरते-डरते अपनी लौकी वाली कटोरी बीच में रखी। सभी लड़कियों ने जैसे ही उसे देखा, निवाला खाया, सब एक साथ चिल्लाई, “अरे भाई! ये तो गजब टेस्टी है!” और देखते ही देखते वो लौकी भी साफ हो गई।

पलक ने अंजली के गले में हाथ डाला और हँसते हुए बोली, “भाई, नाइंथ क्लास का यही रूल है— अपना लंच कभी अपना नहीं होता, और सहेलियों के साथ मिलकर लौकी भी पिज्जा जैसी लगती है!”

शिक्षा का महत्व

शिक्षा मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा धन है। यह हमें ज्ञान, अच्छे संस्कार और सही-गलत की पहचान करने की क्षमता देती है। एक शिक्षित व्यक्ति अपने जीवन में सही निर्णय ले सकता है और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। शिक्षा के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा माना जाता है।

आज के समय में शिक्षा का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा हमें आत्मनिर्भर बनाती है, आत्मविश्वास बढ़ाती है और अच्छे रोजगार के अवसर प्रदान करती है। इसके साथ ही यह हमें ईमानदारी, अनुशासन, मेहनत और जिम्मेदारी जैसे गुण भी सिखाती है।

एक शिक्षित व्यक्ति अपने परिवार, समाज और देश को उन्नति में योगदान देता है। इसलिए प्रत्येक बच्चे को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलना चाहिए। हमें अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए, नियमित

रूप से विद्यालय जाना चाहिए और मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए। समय का सदुपयोग करके हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

अंत में, शिक्षा केवल नौकरी पाने का साधन नहीं है, बल्कि एक अच्छा इंसान बनने का मार्ग भी है। इसलिए हमें शिक्षा का महत्व समझना चाहिए और जीवनभर सीखने का प्रयास करते रहना चाहिए।

अंशिका चौहान, नवमी-अ

वक्त का बोझ बनाम स्क्रीन का समय: हमारा बदलता बचपन

“नन्ही पीठ पर भारी बस्ता था, आँखों पर चश्मे का नम्बर,
ढूँढ़ रहा है आज का बचपन, अपनी ही खुशियों का मंजरा”

समय बदल रहा है और उसके साथ बदल रहा है हमारे बचपन का स्वरूप। कुछ साल पहले तक विद्यार्थियों की सबसे बड़ी समस्या भारी स्कूल बैग हुआ करती थी। सुबह-सुबह किताबों से लदे भारी बस्ते को उठाकर स्कूल जाना एक बड़ा टास्क था। लेकिन आज तकनीक के इस दौर में, वह भारी बस्ता धीरे-धीरे एक पतले से टैबलेट, लैपटॉप या मोबाइल स्क्रीन में सिमट गया है।

क्या इस बदलाव ने हमारे मुश्किलें कम कर दी हैं? नहीं, बल्कि इसने एक नई चुनौती को जन्म दिया है, जिसने आँखों से सम्बन्धित बीमारियाँ आती हैं, जिसे कम उम्र में ही चश्मा लग सकता है। हम इसे कहते हैं “स्क्रीन टाइम”।

अनिकेत शर्मा, नवीं-अ

सपनों की शक्ति

हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत एक सपने से होती है। सपना हमें जीवन में एक दिशा, उद्देश्य और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। चाहे हमारा सपना एक सफल व्यक्ति बनना हो, किसी प्रतियोगिता में जीत हासिल करना हो या समाज के लिए कुछ अच्छा करना हो—सपने हमें मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हैं।

लेकिन केवल सपना देखना ही पर्याप्त नहीं है। उसे पूरा करने के लिए लगन, अनुशासन, धैर्य और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। सफलता की राह में असफलताएँ और कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। असफलता हमें निराश करने के बजाय अपनी गलतियों से सीखने और आगे बढ़ने का अवसर देती है।

विद्यार्थी जीवन भविष्य को संवारने का सबसे महत्वपूर्ण समय होता है। विद्यालय हमें केवल किताबों का ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मविश्वास और सहयोग जैसे महत्वपूर्ण गुण भी सिखाता है। रोज़ किए गए छोटे-छोटे प्रयास भविष्य में बड़ी सफलता का कारण बन सकते हैं।

हमें यह भी समझना चाहिए कि सफलता केवल अच्छे अंकों, पुरस्कारों या पदों से नहीं मापी जाती। सच्ची सफलता एक अच्छे, जिम्मेदार, मेहनती और संवेदनशील इंसान बनने में है।

इसलिए हमें बड़े सपने देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से मेहनत करनी चाहिए। यदि हमारे सपनों के साथ दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास जुड़ जाएँ, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

"बड़े सपने देखिए, कड़ी मेहनत कीजिए और हर दिन स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास कीजिए।"

अक्षित, दसवीं-बी

मेरी साइकिल और शाम का सफर

स्कूल से आकर बैग रख, मैं एक कोने में रख देता हूँ।

शाम होते ही मैं अपनी साइकिल पे हाथ रख देता हूँ। दोस्तों की टोली जब सड़क पर साथ में निकलती है, हवा की चीरती हुई हमारी साइकिल आगे बढ़ती है।

कोई रेस लगाने को कहता है, कोई पीछे रह जाता है, हम छोटी सी मस्ती में ही वो अपनी मजा आता है। पापा कहते हैं —

"बेटा, अब सांझ है, संभलकर चलना",

मैं भी मन में ठान चुका हूँ, मेहनत से भी न डरना।

सूरज जब ढलने लगता है, तो घर की याद आती है, हाथ-मुँह धोकर फिर से किताबों की दुनिया बुलाती है। यँ ही मेरी लाइफ़, थोड़ी मस्ती, थोड़ी पढ़ाई — सब मिलती है, जो मेरे दिल में उमंग जगाती है।

नाम – नितिन, रोल नं. – 25 नवीं (अ)

नैतिक मूल्य

नैतिक मूल्य वे सिद्धांत हैं जो हमें सही और गलत में अंतर करना सिखाते हैं। ये हमारे जीवन का आधार होते हैं और हमें एक अच्छा तथा जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं। सत्य, ईमानदारी तथा प्रेम, सम्मान, अनुशासन और सहृदयता जैसे गुण नैतिक मूल्यों के मुख्य उदाहरण हैं।

नैतिक मूल्य व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं। ये हमें दूसरों के प्रति सम्मान, सहानुभूति और जिम्मेदारी का भाव सिखाते हैं। जिन लोगों में नैतिक मूल्य होते हैं, वे समाज में विश्वास और सद्भाव का वातावरण बनाते हैं। नैतिक मूल्यों के बिना जीवन में सफलता भी अधूरी मानी जाती है।

विद्यार्थियों के लिए नैतिक मूल्य अत्यंत आवश्यक हैं। समय का पालन करना, बड़ों का सम्मान करना, शिक्षकों की आज्ञा मानना, ईमानदारी से पढ़ाई करना तथा सभी के साथ प्रेम और सहयोग का व्यवहार करना एक आदर्श विद्यार्थी के गुण हैं। इससे विद्यार्थी आगे चलकर देश के अच्छे नागरिक बनते हैं।

नैतिक मूल्य हमारे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। हमें बचपन से ही इनका पालन करना चाहिए और अपने व्यवहार में उतारना चाहिए। यदि प्रत्येक व्यक्ति नैतिक मूल्यों का पालन करता है, तो समाज में शांति, प्रेम और भाईचारा बना रहेगा तथा राष्ट्र का विकास भी तेजी से होगा।

नैतिक मूल्य वे अच्छे आदर्श और नियम हैं जो हमें सही और गलत के बीच का फर्क सिखाते हैं। इनमें ईमानदारी, सच्चाई, बड़ों का आदर, अनुशासन की नींव है।

आरव रानगरा, नवी-अ

पहेलियाँ

1. उसका नाम लो तो वो चली जाती है?

→ खामोशी।

2. काली हूँ पर सुंदर हूँ, पैर नहीं फिर भी चलती हूँ?

→ परछाई।

3. वो क्या है जो हमेशा तुम्हारे आगे रहता है पर तुम पकड़ नहीं सकते?

→ भविष्य।

4. वो क्या है जो हमेशा बढ़ता है पर घटता नहीं?

→ उम्र।

5. एक चीज है जो तुम्हें देख सकती, पर छू नहीं सकती?

→ आसमान।

6. पेट है पर खाना नहीं खाती, मुँह है पर बोलती नहीं?

→ बोतल।

तान्या शर्मा, कक्षा – ग्यारहवीं-अ

ईमानदारी

ईमानदारी सबसे श्रेष्ठ नीति है। यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला सिद्धांत है। ईमानदारी का अर्थ है—हर परिस्थिति में सत्य बोलना, अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करना और किसी भी प्रकार के छल-कपट से दूर रहना।

ईमानदार व्यक्ति समाज में सम्मान, विश्वास और प्रतिष्ठा प्राप्त करता है। महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री ने अपने जीवन में ईमानदारी को सर्वोच्च स्थान दिया। उनके चरित्र से हमें सीख मिलती है कि सच्चाई और ईमानदारी ही व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत होती है।

एक ईमानदारी कर्मचारी अपने कार्य को पूरी लगन से करता है। एक ईमानदार विद्यार्थी का महत्व केवल बड़े कार्यों में ही नहीं, बल्कि छोटी-छोटी बातों में भी दिखाई देता है। एक ईमानदार कर्मचारी अपने कार्य को पूरी लगन से करता है। एक ईमानदार व्यापारी ग्राहकों का विश्वास जीतता है। एक ईमानदार विद्यार्थी अपने परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त करता है। इसलिए ईमानदारी हर क्षेत्र में सफलता का आधार है।

ईमानदारी मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है। यह हमें सम्मान, विश्वास और सच्ची सफलता दिलाती है। इसलिए हमें जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदारी का पालन करना चाहिए। सच्ची सफलता वही है जो ईमानदारी और मेहनत से प्राप्त हो।

– वंशिका, ग्यारहवीं-बी



ENGLISH SECTION

Editorial



The school magazine is a mirror of the school, reflecting all the activities that take place within it. The development of students' literary interests and abilities can be assessed through the school magazine. It is a matter of great joy and satisfaction that this magazine, which belongs to all of us, has been completely successful in fulfilling this purpose.

We hope that you will evaluate it while keeping in mind the age and intellectual level of these young budding minds. In fact, one of the various objectives of education is to enable children to express their feelings and emotions naturally in their own language. The publication of the school magazine also helps fulfil this important objective of education.

Writing is a powerful medium of self-expression. Writing is an art—an art that refines and enriches one's personality. The main objective of the magazine is to bring together the scattered talents of students, nurture and refine them, and broaden their experiences. Through continuous study and thoughtful reflection, when ideas arise in a person's mind, they naturally seek expression and take the form of creative writing. Such writing is original and lasting. Some such creations have been given a place in this section of the magazine. We hope that you will appreciate the sincere and innocent efforts of our students.

We have taken great care in preparing the magazine; however, if any errors have remained, we sincerely seek your forgiveness in advance. Finally, I express my heartfelt gratitude to all those who have contributed, directly or indirectly, to the successful completion of this work.

Mrs. Ekta Singh
PGT-English

THE POWER OF DREAMS

Dream with courage. Dream with pride.

Let nothing and no one stop you.

Even a small dream can lead you to your dreams.

Learn each day with an open mind.

Leave fear behind.

Start with honesty, stand up tall,

Believe in yourself through every fall.

Be the light that others see.

Stand brave, patient, and strong.

Together, we can proudly say:

"We'll build a brighter world each day."

Name: Aastha Thakur Roll No.: 20

Class: X -B

Wings of Tomorrow

Every sunrise brings a brand-new dream,

Shining softly like a golden beam.

With every lesson, we grow each day,

Finding strength in our own way.

Kindness and courage light our hearts,

Helping us make a brighter start.

Step by step, we climb so high,

With hope that reaches every sky.

The future smiles on those who try,

And teaches us to dream and fly.

Name: Kinjal, Roll No.: 9 Class: X-B

Harvest Hymn

Lord of the lotus, Lord of the harvest,

Bright and munificent Lord of the morn!

Thine is the bounty that prospered our sowing;

Thine is the bounty that nurtured our corn.

We bring Thee our songs and our garlands for
tribute,

The gold of our fields and the gold of our fruit;

O Giver of mellowing radiance, we hail Thee;

We praise Thee, O Surya, with cymbal and flute.

Shourya Chauhan

Class VIII B

The Sky Never Runs Out of Blue

The dawn unfolds with quiet light,
And paints the world with hopeful hue;
It whispers softly to the earth,
"The sky still shines in endless blue."
Though clouds may gather, dark and deep,
And restless winds come rushing through,
No storm can steal forever's light—
The sky still keeps its faithful blue.
The birds rise high on unseen winds,
With fearless hearts and open view;
They never ask if skies are kind,
They simply trust the journey through.
So when my dreams are wrapped in grey,
And hope seems distant from my view,
I'll lift my eyes and smile once more—
The sky never runs out of blue.

— Sejal Thakur Class: X-B

A Smile

A smile is quite a funny thing,
It wrinkles up your face.
And when it's gone,
You'll never find its secret hiding place.
But far more wonderful it is
To see what smiles can do!
You smile at one,
He smiles at you,
And so one smile
Makes two.

Abhadhya, Roll No.: 43, Class: 7B

Mummy and Daddy

Mummy and Daddy,
I love you.
Come to me.
I call you.
Give me a kiss.
I ask you,
Will you pray to God
with love for me?
Early to Bed
Early to bed and early to rise,
Makes a man healthy, wealthy, and wise.

Akshita, 7thB

DREAM BIG

Dream Big Every Day,
Believe in Yourself.
Work Hard with Honesty,
Never Give Up.
Learn from Your Mistakes ,
Be Kind to Everyone.
Take Every Challenge with Courage,
Keep Smiling Always.
Success Comes with Patience,
Your Future Is Bright.

Kavya Kaundal, Roll No.: 14, 7B

The Beauty OF Nature

The sun rises with a golden glow,

And gentle winds begin to blow.

The flowers dance, the birds all sing,

Nature makes our hearts take wing.

Green trees whisper in the breeze,

Cool rivers flow beside the trees.

The clouds float softly in the sky,

While colorful butterflies fly.

Mountains stand so tall and grand,

Rivers sparkle across the land.

Let us keep our nature clean and green,

And protect the beauty we have seen.

"Love nature, protect nature, and let its beauty live forever."

Nikita, 12th

The Power of Kindness

Kindness is a gentle light,
Shining through the darkest night.
It asks for little, gives so much,
Healing hearts with every touch.
A smile can brighten someone's day,
A helping hand can lead the way.
A few kind words, sincere and true,
Can bring fresh hope to someone new.
Kindness grows like flowers in spring,
Filling hearts with everything.
It builds bridges, ends a fight,
And turns wrong into what's right.
No riches can its worth define,
Its greatest treasure is its shine.
The more we share, the more it grows,
Like a peaceful river as it flows.
So let us spread its golden ray,
Through every word and deed each day.
For a kinder world begins to start
With one kind act from every heart.

Ruhani (12-A)

Nature's Smile

The sun wakes up with golden light,
Birds sing softly, warm and bright.
Flowers bloom in colors gay,
Welcoming a lovely day.
Trees dance gently in the breeze,
Leaves whisper among the trees.
Nature gives us joy and cheer,
A precious gift we all hold dear.
Let's keep rivers fresh and clean,
Protect each forest, field, and green.
Love the Earth in every way,
So it shines each passing day.

Akshita (5B)

The Little Stream

A little stream runs clear and bright,
Sparkling softly in the light.
It sings a song so sweet and free,
As it flows toward the sea.

Butterflies and birds fly high,
Clouds drift slowly through the sky.
Nature paints a lovely view,
Fresh with every morning dew.

Let us care for every tree,
Every flower, bird, and bee.
When we love the Earth each day,
Nature smiles in every way.

Sparsh Thakur(5A)

The Road to Success

Success is not a gift to claim,

It comes through effort, not through
fame.
Step by step and day by day,
Hard work always shows the way.
Never fear a fall or test,
Every challenge brings your best.
Dream with hope and work with pride,
Let determination be your guide.

The stars may seem so far above,
Reach them with courage, faith, and
love.

Success belongs to those who try,
Who never give up and aim high.

Darshika(5A)

Hard Work Wins

Hard work is the golden key,
It unlocks what we can be.
With every effort, small or great,
We build our future, shape our fate.

Wake each morning with a smile,
Walk with patience every mile.
Learn from failure, rise once more,
Success is waiting at your door.

Keep your dreams alive each day,
Let honesty light your way.
Work with heart, be kind and true,
The brightest future waits for you.

Atharav (5A)

Nothing is Impossible

Many people look at big goals and think they are impossible. But if you look closely at the word "impossible" itself, it says, "I'm possible." Everything depends on how we choose to look at things.

Think about learning to ride a bicycle or scoring good marks in a tough subject. At first, it feels completely out of reach. But when we take the first small step and try every day, the difficult path becomes easier. The biggest wall is often inside our own minds.

Nothing is truly impossible if we have the courage to try. The strength to achieve great things is not somewhere outside; it is already hidden inside us. We just need to believe in ourselves and keep moving forward.

Name: Vaibhav Dogra, Roll No.: 36, Class: VIII-B

Can A.I. Replace teachers?

The twenty first century is now being called the "Age of intelligence". From driverless car to virtual assistants, A.I has been proving itself rapidly after the pandemic. The classroom has also not remained untouched. The children studying in schools and universities turn to A.I chatbots for any inconvenience in their studies - which bring us to a heated question -

"Can A.I. replace teachers?"

At the first thought all this sounds really tempting as A.I. never gets tired, never yells, never makes any calculation and never falls ill.

Yet the essence of teaching is not just letting an individual get good grades or to know about a particular topic. No, A teacher is a mentor, A motivator and A great role model.

Let us just imagine that A.I has taken over the human teacher. Who will console them after a bad exam, who will tell all those stories that encourage one's imagination, who will notice the anxiety and stress pressure of a kid? Oh, surely an A.I robot can't do that. These human abilities cannot be mimicked by an A.I machine.

So, Can A.I replace teachers? It can teach facts but not humanity. A blackboard can be replaced into a screen. But a helping hand of a teacher will remain irreplaceable.

Aakriti Thakur, 11B

Chhatrapati Shivaji Maharaj

Chhatrapati Shivaji Maharaj was born on 19th February 1630 at Shivneri Fort. He was one of the greatest king and the founder of the Maratha Empire. He was a symbol of courage and self-rule. His main goal was "Hindavi Swarajya"—rule by Indians for Indians.

Shivaji Maharaj was also known for his wisdom and bravery. He captured many forts with his unique warfare strategy called Guerrilla Warfare. He did not fight for power alone; he fought for justice and the welfare of his people.

He respected all religions and had great love and respect for women. He made sure that his soldiers did not harm women during battles. His administration was fair, and he always cared for the welfare of his people.

Shivaji Maharaj showed that true leadership means fighting bravely and serving others. Even today, he inspires us to be proud of our culture, stand for justice, and work with courage and honesty.

Shreya, Roll No.36, Class: 7B

A DAY WITHOUT INTERNET

What if the secret to better exam preparation wasn't studying more—but scrolling less?

Today's students have the world's knowledge in their pockets. Yet, many of us spend more time watching short videos than reading short chapters. The internet is an incredible invention, but it often becomes the biggest distraction when exams are near.

Imagine a day without the internet. At first, there would be silence—no notifications, no trending reels, no endless messages. Soon, that silence would turn into focus. A forgotten novel might be opened. A difficult chapter might finally be understood. A family conversation might replace hours of screen time.

Preparing for exams without stress does not mean studying every minute. It means studying wisely. A realistic timetable, regular revision, proper sleep, healthy meals, and short breaks are far more effective than last-minute cramming. Equally important is learning when to put the phone aside.

Perhaps we don't need a world without the internet. We simply need the wisdom to decide when to disconnect.

Sometimes, the strongest signal is not the one on our phones—it is the determination within us.

After all, success is not about staying online all the time; it is about staying focused when it matters the most.

Ruhani(12-A)

The Beauty of Small Beginnings

In a world that celebrates great achievements, we often forget the importance of small beginnings. Every success starts with a single step, and every dream grows through patience and determination.

School teaches us much more than lessons from textbooks. A simple greeting can become a lifelong friendship, one question answered in class can build confidence, and one mistake can become a valuable lesson. These everyday experiences quietly shape our personality and prepare us for the future.

Life is not always easy. There will be challenges and failures, but they help us become stronger and wiser. Instead of fearing difficulties, we should see them as opportunities to learn and improve.

Kindness also has the power to make a difference. A smile, a helping hand, or a few encouraging words can brighten someone's day.

When we value small efforts, stay hopeful, and never stop learning, every small beginning has the potential to lead to a bright and meaningful future.

Avni Thakur, 12'A

CANCER IN HIMACHAL PRADESH

Cancer is one of the most serious health problems affecting many people in Himachal Pradesh. The number of cancer cases has increased due to unhealthy lifestyles, tobacco use, alcohol consumption, poor dietary habits, environmental pollution, and lack of regular health check-ups.

Early detection and timely treatment can save lives. Regular health screenings, medical check-ups, and awareness about cancer symptoms help in diagnosing the disease at an early stage. Maintaining a healthy lifestyle can also reduce the risk of many types of cancer.

People should avoid tobacco and smoking, limit alcohol consumption, eat fresh fruits and vegetables, exercise regularly, maintain a healthy body weight, and protect themselves from harmful sun exposure. Vaccination against certain viruses, such as HPV and Hepatitis B, can also help prevent some types of cancer.

Everyone has a role to play in spreading awareness. By encouraging healthy habits, supporting cancer patients, and participating in awareness campaigns, we can reduce the burden of cancer in Himachal Pradesh.

Together, we can fight cancer, save lives, and build a healthier Himachal Pradesh.

Aditya (5A)

Mystery of Dams

Did you know that India has more than 5,700 large dams? These dams store water so that people can use it during dry seasons for drinking, irrigation, industries, and generating electricity.

A dam is a huge wall built across a river to stop or control the flow of water. The stored water forms a large lake called a reservoir. Dams play an important role in supplying water, producing hydroelectric power, controlling floods, and supporting agriculture.

However, building a dam also has some disadvantages. Forests, villages, and wildlife habitats may be submerged under water. Many families have to leave their homes and move to new places. The natural flow of rivers changes, which can affect fish and other aquatic animals.

Whenever we use water at home, we should remember the long journey it has taken and the many efforts involved in storing and supplying it. Therefore, we should use water wisely and never waste it.

Interesting Facts About Dams

Hirakud Dam in Odisha is one of the world's longest earthen dams. It is about 25.8 km long.

Bhakra Nangal Dam is built across the Sutlej River in Himachal Pradesh and Punjab. It is one of India's highest gravity dams.

Tehri Dam in Uttarakhand is one of the tallest dams in India.

Dams help generate clean hydroelectric power, reducing the use of fossil fuels.

Saving every drop of water helps protect our environment and ensures water is available for future generations.

“Save Water, Save Life – Every Drop Counts!”

Kritika Thakur (5A)

Good and Bad Microbes

Microbes are tiny living organisms that can only be seen with a microscope. They include **bacteria, fungi, viruses, protozoa, and algae**. Some microbes are useful, while others can cause diseases.

Good Microbes

Good microbes are very helpful in our daily lives. They help in making **curd, yogurt, cheese, bread, and fermented foods**. They also improve soil fertility, help plants grow, and are used to produce medicines such as **antibiotics and vaccines**. Some bacteria in our intestines help in digestion and protect us from harmful germs.

Bad Microbes

Bad microbes are disease-causing microorganisms called **pathogens**. They can infect humans, animals, and plants. Diseases such as **cholera, typhoid, tuberculosis, influenza, dengue, malaria, and COVID-19** are caused by different types of microbes. These germs spread through contaminated food and water, air, insect bites, or direct contact with infected people.

How to Stay Safe

1. Wash your hands regularly with soap and water.
2. Eat clean, fresh, and well-cooked food.
3. Drink safe and clean water.
4. Keep your surroundings clean.
5. Cover your mouth and nose while coughing or sneezing.
6. Get vaccinated as recommended.
7. Avoid close contact with sick people and maintain good personal hygiene.

Conclusion

Not all microbes are harmful. Many microbes are essential for our health, agriculture, food production, and medicine. At the same time, some microbes can cause diseases. Understanding the difference between good and bad microbes helps us stay healthy and use these tiny organisms wisely for the benefit of society.

Shanvi (5B)

A Student's Mind During EXAMS!

Exams are not just a test of knowledge; they are also a test of patience, confidence & emotions. A student's mind during exams is like a roller coaster—full of excitement, pressure, hope & fear, all at the same time.

As the exam days come closer, even simple things start feeling different. The clock seems to run faster, books suddenly look heavier, & every chapter feels important. A student begins to wonder, “Have I studied enough?” or “What if I forget everything?” These thoughts create stress, but they also remind us to stay focused.

However, exams are not only about marks. They teach us valuable life skills like discipline, time management, hardwork & self belief. Every late-night revision, every solved question & every small achievement builds confidence. Even mistakes become lessons that help us grow stronger.

A calm mind performs better than a worried one. Taking short breaks, sleeping well & believing in ourselves are just as important as studying.

Success does not belong to the student who studies the most—it belongs to the one who stays positive & gives their best.

In the end, exams are only a chapter in the story of life, not the whole book. Marks may be remembered for a while, but the confidence, courage & experience gained during exams stays with us forever.

– Bhasmika Sharma

XI-B (Commerce with Mathematics)



सम्पादकीय

संस्कृतम् – ज्ञानस्य संस्कारस्य च भाषा



संस्कृतं केवलं प्राचीनभाषा नास्ति, अपितु

भारतीयज्ञानपरम्परायाः, संस्कृतेः, संस्काराणां च समृद्धं माध्यमम्

अस्ति। संस्कृताध्ययनं विद्यार्थिनां भाषिककौशलं वर्धयति, तेषां तार्किकचिन्तनं, सृजनात्मकता, नैतिकमूल्यानि च विकसितानि करोति।

पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालयः हमीरपुर इत्यस्मिन् संस्कृतशिक्षणस्य मुख्योद्देश्यं केवलं व्याकरणस्य ज्ञानं न, अपितु विद्यार्थिषु भारतीयसंस्कृतेः प्रति गौरवं, अनुशासनं, सदाचारं, सहिष्णुतां च जागरयितुम् अस्ति। श्लोकैः, संवादैः, गतिविधिभिः, परियोजनाकार्यैः तथा सृजनात्मककार्यैः संस्कृतं रोचकं जीवन्तं च कर्तुं प्रयत्नः क्रियते।

मम विश्वासः अस्ति यत् प्रत्येकः विद्यार्थी संस्कृतस्य माध्यमेन न केवलं भाषां शिक्षेत, अपितु जीवनस्य श्रेष्ठमूल्यानि अपि आत्मसात् कुर्यात्।

“सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः।”

आगच्छन्तु, संस्कृतभाषायाः गौरवपूर्णं परम्परां नवपीढ्या सह अग्रे नयामः।

श्री नरेन्द्र कुमार

— संस्कृत विषयाध्यापकः

पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालयः हमीरपुर



विकसितभारतम्

विकसितभारतम् अस्माकं राष्ट्रस्य उज्ज्वलं स्वप्नम् अस्ति। अस्य उद्देश्यः समृद्धं, स्वावलम्बितं, शिक्षितं, वैज्ञानिकदृष्ट्या उन्नतं च भारतं निर्मातुम् अस्ति। यदा सर्वे नागरिकाः स्वकर्तव्यं निष्ठया पालनं कुर्वन्ति, तदा राष्ट्रस्य सर्वाङ्गीणः विकासः सम्भवति।

अद्य भारतदेशः विज्ञाने, प्रौद्योगिक्यां, कृषिक्षेत्रे, उद्योगे, अन्तरिक्षविज्ञाने, शिक्षायां च निरन्तरं प्रगतिं करोति। युवाशक्तिः राष्ट्रस्य महती सम्पत्तिः अस्ति। यदि युवानः परिश्रमं, अनुशासनं, नवोन्मेषं च स्वीकुर्वन्ति, तर्हि भारतं विश्वस्य अग्रणी राष्ट्रं भविष्यति। स्वच्छता, पर्यावरणसंरक्षणम्, जलसंरक्षणम्, नारीशक्तीकरणम्, डिजिटल-प्रौद्योगिक्याः उपयोगः च विकसितभारतस्य आधारस्तम्भाः सन्ति।

वयं सर्वे सत्यनिष्ठाः, परिश्रमी, अनुशासिताः च भूत्वा समाजस्य सेवां कुर्मः। जाति-धर्म-भाषाभेदान् विस्मृत्य परस्परं सौहार्दनं वसेम। प्रत्येकः नागरिकः राष्ट्रहितं सर्वप्रथमं मन्येत। एतादृशेन सामूहिकप्रयत्नेन भारतं आर्थिकदृष्ट्या शक्तिशाली, सांस्कृतिकदृष्ट्या गौरवशाली, वैज्ञानिकदृष्ट्या प्रगतिशीलं च भविष्यति।

अतः अस्माकं संकल्पः भवेत्—“विकसितभारताय अहं मम सर्वोत्तमं योगदानं दास्यामि।” सर्वेषां सहयोगेन, परिश्रमेण, दृढसंकल्पेन च विकसितभारतस्य स्वप्नं निश्चितरूपेण साकारं भविष्यति।

अन्विषा चौहान
कक्षा दशमी वर्गः अ



परोपकारः

परोपकारः मानवजीवनस्य सर्वोत्तमः गुणः अस्ति। “परोपकाराय सतां विभूतयः” इति प्रसिद्धा उक्तिः अस्ति, यस्य अर्थः—सज्जनाः स्वसम्पत्तिं स्वशक्तिं च परहिताय एव उपयुञ्जते। यः अन्येषां हितं करोति, स एव सच्चरित्रः महान् च मनुष्यः भवति।

अस्माभिः सर्वैः यथाशक्ति दरिद्राणां, रोगिणां, वृद्धानां, असहायानां च साहाय्यं कर्तव्यम्। परोपकारेण समाजे प्रेम, मैत्री, सौहार्दं च वर्धते। वृक्षाः फलानि स्वयम् न खादन्ति, नद्यः स्वयम् जलं न पिबन्ति, सूर्यः चन्द्रः च स्वप्रकाशं सर्वेभ्यः समानरूपेण ददाति। एते सर्वे परोपकारस्य आदर्शाः सन्ति।

विद्यार्थिनामपि कर्तव्यं भवति यत् ते सहपाठिनां साहाय्यं कुर्वन्तु, गुरुणां सम्मानं कुर्वन्तु, पर्यावरणस्य संरक्षणं च कुर्वन्तु। परोपकारेण आत्मसन्तोषः, समाजस्य उन्नतिः, राष्ट्रस्य विकासश्च भवति।

अतः अस्माभिः सर्वदा परहितभावेन प्रेरिताः भूत्वा जीवनं यापनीयम्। “परोपकारः पुण्याय, पापाय परपीडनम्।” इति वचनं सर्वदा स्मर्तव्यम्। परोपकारः एव मानवतायाः सच्चिदनं तथा जीवनस्य परमं भूषणम् अस्ति।

अंशिका नायक

कक्षा नवमी वर्गः अ



टी-२० क्रिकेटम्

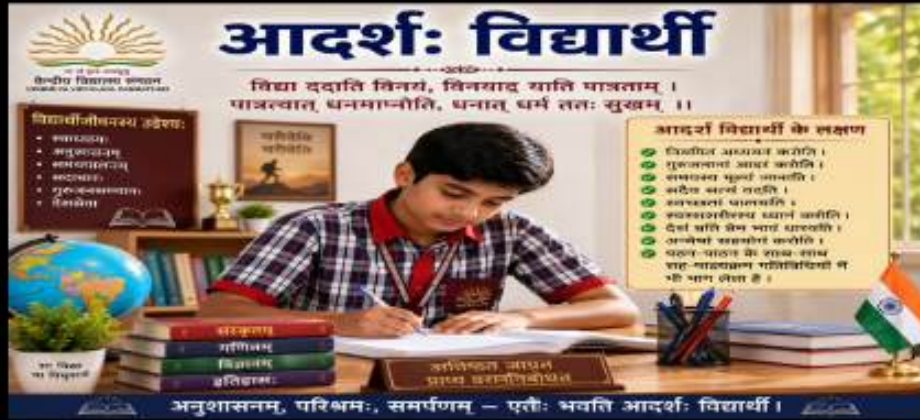
टी-२० क्रिकेटम् आधुनिकक्रीडाजगति अत्यन्तं लोकप्रियः क्रीडाप्रकारः अस्ति। अस्मिन् क्रीडाप्रकारे प्रत्येकस्य दलस्य विंशतिः (२०) ओवराः भवन्ति। अतः एषः क्रीडाप्रकारः अल्पकाले एव समाप्तिं गच्छति तथा दर्शकानां विशेषम् आकर्षणं जनयति।

टी-२० क्रिकेटे प्रत्येकः कन्दुकः महत्वपूर्णः भवति। क्रीडकाः शीघ्रं धावनाङ्कान् अर्जयितुं प्रयतन्ते, क्षेत्ररक्षकाः च दक्षतया क्रीडन्ति। अस्मिन् क्रीडायां साहसम्, कौशलम्, समयपालनं, दलभावना च अत्यावश्यकानि सन्ति।

भारतदेशः टी-२० क्रिकेटे विश्वप्रसिद्धः अस्ति। भारतीयक्रीडकाः स्वकौशलेन अनेकानि स्पर्धानि विजित्य राष्ट्रस्य गौरवं वर्धयन्ति। एषा क्रीडा युवान् स्वास्थ्यरक्षणाय, अनुशासनाय, परिश्रमाय, सहकारभावाय च प्रेरयति।

अतः टी-२० क्रिकेटम् केवलं मनोरञ्जनस्य साधनं नास्ति, अपितु स्वास्थ्यं, आत्मविश्वासं, दलकार्यस्य महत्त्वं च शिक्षयति। अस्माभिः सर्वैः क्रीडाभिः सह अध्ययनमपि सम्यक् कर्तव्यम्।

अरिन्दम चौधरी



आदर्श: विद्यार्थी

आदर्शः विद्यार्थी राष्ट्रस्य भविष्यः भवति। सः सदैव अनुशासितः, परिश्रमी, विनयी, सत्यवादी च भवति। सः समयस्य महत्त्वं जानाति तथा नियमितरूपेण अध्ययनं करोति। गुरुणां सम्मानं करोति, मातापितृणां आज्ञां पालयति, सहपाठीभिः सह मैत्रीभावेन व्यवहारं च करोति।

आदर्शः विद्यार्थी स्वच्छतां पालयति, पर्यावरणस्य संरक्षणं करोति तथा विद्यालयस्य नियमपालने सदा तत्परः भवति। सः केवलं पाठ्यपुस्तकाध्ययने एव न रमतै, अपितु क्रीडासु, सांस्कृतिककार्यक्रमेषु, सामाजिकसेवायां च उत्साहेन भागं गृह्णाति। परोपकारभावना, सहकार्यभावना, देशभक्तिः च तस्य प्रमुखाः गुणाः सन्ति।

सः कठिनपरिश्रमेन स्वलक्ष्यं प्राप्नोति तथा समाजस्य राष्ट्रस्य च उन्नतौ योगदानं ददाति। आदर्शः विद्यार्थी सदाचारेण, आत्मविश्वासेन, दृढसंकल्पेन च जीवने सफलतां प्राप्नोति।

अतः प्रत्येकेन विद्यार्थिना आदर्शविद्यार्थिनः गुणाः आत्मसात्कर्तव्याः। एतेषां गुणानां पालनात् सः उत्तमः नागरिकः भवति तथा राष्ट्रस्य गौरवं वर्धयति।

शौर्य चौहान

कक्षा अष्टमी वर्ग: ब



दूरसञ्चारसाधनानि

दूरसञ्चारसाधनानि आधुनिकजीवने अत्यन्तं महत्त्वपूर्णानि सन्ति। एतानि जनानां मध्ये शीघ्रं सुलभं च सम्पर्कं स्थापयन्ति। दूरवर्तीभ्यः जनाभ्यः सन्देशप्रेषणं, वार्तालापः, सूचनाविनिमयः च एतैः साधनैः सहजतया भवति।

दूरभाषः, चलदूरभाषः (मोबाइलः), संगणकः, अन्तर्जालम् (इण्टरनेट), ई-मेल, दूरदर्शनम्, आकाशवाणी च प्रमुखानि दूरसञ्चारसाधनानि सन्ति। एतानि शिक्षायां, चिकित्सायां, व्यापारे, प्रशासनकार्येषु, मनोरञ्जने च महत्त्वपूर्णं भूमिकां निर्वहन्ति।

अद्य डिजिटलयुगे अन्तर्जालस्य उपयोगः अत्यधिकः वर्धितः अस्ति। छात्राः ऑनलाइन-अध्ययनं कुर्वन्ति, शिक्षकाः पाठान् शिक्षयन्ति, जनाः च क्षणमात्रेण विश्वस्य कस्यापि भागस्य व्यक्तिभिः सह सम्पर्कं कुर्वन्ति।

तथापि दूरसञ्चारसाधनानां विवेकपूर्णः उपयोगः आवश्यकः। अतिप्रयोगः समयस्य नाशं करोति तथा स्वास्थ्यस्य अपि हानिं जनयितुं शक्नोति। अतः अस्माभिः एतानि साधनानि मर्यादया, सावधानतया, सदुपयोगेन च उपयोक्तव्यानि।

एवं दूरसञ्चारसाधनानि मानवजीवनं सरलम्, शीघ्रं, सुविधायुक्तं च कुर्वन्ति तथा राष्ट्रस्य प्रगतौ महत्त्वपूर्णं योगदानं ददति।

सौरभ

कक्षा नवमी वर्गः अ



संस्कृतविश्वविद्यालयः

संस्कृतविश्वविद्यालयः संस्कृतभाषायाः, भारतीयसंस्कृतेः, प्राचीनज्ञानपरम्परायाः च संरक्षणाय प्रचाराय च समर्पितः उच्चशैक्षणिकसंस्थः अस्ति। अत्र छात्राः संस्कृतभाषां, व्याकरणम्, वेदान्, उपनिषदः, दर्शनशास्त्रम्, साहित्यं, ज्योतिषम्, योगशास्त्रं च अधीयन्ते। आधुनिकविषयैः सह संस्कृतस्य अध्ययनमपि अत्र प्रोत्साह्यते।

संस्कृतविश्वविद्यालयेषु योग्याः आचार्याः विद्यार्थिनः गुणवत्तापूर्णं शिक्षणं ददति। अत्र अनुसन्धानकार्यक्रमाः, ग्रन्थसम्पादनम्, सेमिनाराः, कार्यशालाः, सांस्कृतिककार्यक्रमाश्च नियमितरूपेण आयोज्यन्ते। एतेन छात्राणां ज्ञानं, चिन्तनशक्तिः, व्यक्तित्वविकासश्च भवति।

संस्कृतविश्वविद्यालयाः केवलं प्राचीनज्ञानस्य संरक्षणं न कुर्वन्ति, अपितु भारतीयज्ञानपरम्परायाः आधुनिकविज्ञानेन सह समन्वयं अपि कुर्वन्ति। अतः एते राष्ट्रस्य सांस्कृतिकविरासतां रक्षन्ति तथा विश्वे संस्कृतभाषायाः महत्त्वं प्रसारयन्ति। सर्वैः विद्यार्थिभिः संस्कृताध्ययनं प्रति रुचिः वर्धनीया, यतः संस्कृतं भारतीयसंस्कृतेः आधारभूतभाषा अस्ति।

रितिका ठाकुर

कक्षा अष्टमी वर्गः ब

गुरुः

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

अज्ञानतिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जनशलाकया।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

ध्यानमूलं गुरोर्मूर्तिः पूजामूलं गुरोः पदम्।
मन्त्रमूलं गुरोर्वाक्यं मोक्षमूलं गुरोः कृपा॥

अखण्डमण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम्।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

न गुरोरधिकं तत्त्वं न गुरोरधिकं तपः।
तत्त्वज्ञानात् परं नास्ति तस्मै श्रीगुरवे नमः॥

यस्य देवे परा भक्तिः यथा देवे तथा गुरौ।
तस्यैते कथिता ह्यर्थाः प्रकाशन्ते महात्मनः॥

हर्षिता शर्मा
कक्षा नवमी वर्गः



पुरातनकथा — सिंहः मूषकश्च

एकस्मिन् वने एकः सिंहः निवसति स्म। एकदा सः वृक्षस्य छायायां सुप्तः आसीत्। तस्मिन् समये एकः मूषकः तस्य शरीरे क्रीडितुं आरब्धवान्। तेन सिंहस्य निद्रा भङ्गा अभवत्। सिंहः क्रुद्धः भूत्वा मूषकं गृहीत्वा हन्तुम् इच्छति स्म।

मूषकः भयभीतः सन् अवदत्— "हे वनराज! कृपया मां क्षमस्व। भविष्ये अवसरः प्राप्ते अहम् अपि भवतः साहाय्यं करिष्यामि।" सिंहः तस्य वचनं श्रुत्वा तं मुक्तवान्।

कतिपयदिनानन्तरं सिंहः शिकारिणां जाले बद्धः अभवत्। सः उच्चैः गर्जितवान्। तस्य गर्जनं श्रुत्वा स एव मूषकः तत्र आगत्य तीक्ष्णैः दन्तैः जालं छित्त्वा सिंहं मुक्तवान्।

सिंहः मूषकस्य साहाय्येन अत्यन्तं प्रसन्नः अभवत्। उभौ मित्रे अभवताम्।

नीतिः —

"परोपकारः सर्वदा फलति। लघुरपि महान् उपकारं कर्तुं शक्नोति।"

कनिका

कक्षा नवमी वर्गः ब

भारतीयसंस्कृतिः

भारतदेशः विविधतायाः देशः अस्ति। अत्र विभिन्नाः भाषाः, वेशभूषाः, भोजनपद्धतयः, उत्सवाः च सन्ति। तथापि भारतीयसंस्कृतिः सर्वान् जनान् प्रेमणा एकसूत्रे बध्नाति। अस्माकं संस्कृतौ माता-पितरौ, गुरुवः, अतिथयः च पूजनीयाः भवन्ति। "अतिथिदेवो भव" इति भारतीयपरम्परायाः प्रसिद्धं वाक्यम् अस्ति। दीपावली, होली, दशहरा, जन्माष्टमी, ईद, क्रिसमस इत्यादयः उत्सवाः हर्षेण आचर्यन्ते। योगः, आयुर्वेदः, ध्यानम्, नमस्कारः च भारतीयसंस्कृतेः महत्त्वपूर्णाः भागाः सन्ति। भारतीयसंस्कृतिः सत्यं, अहिंसां, प्रेम, सहिष्णुतां, परोपकारं च शिक्षयति। अस्माभिः स्वसंस्कृतेः सम्मानः करणीयः तथा नूतनपीढ्यै तस्याः ज्ञानं दातव्यम्। आधुनिकतायाः स्वीकरणेन सह अस्माभिः स्वपरम्पराणां संरक्षणमपि करणीयम्। एषा एव अस्माकं वास्तविकं गौरवम् अस्ति।

निवृत्ति जम्वाल

कक्षा अष्टमी वर्गः ब

मातृपितृभक्तिः

माता पिता च अस्माकं जीवनस्य प्रथमौ गुरु स्तः। माता अस्मान् प्रेमणा पोषयति, पिता च अस्माकं भविष्यस्य निर्माणाय परिश्रमं करोति। ते अस्मभ्यं भोजनं, वस्त्रं, शिक्षा, संस्कारान् च यच्छतः। बाल्यकालात् एव माता पिता अस्मान् सदाचारस्य मार्गं दर्शयतः। अतः तयोः सम्मानः तथा सेवा अस्माकं प्रमुखं कर्तव्यम् अस्ति। "मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" इति वचनं अस्मान् मातापित्रोः महत्त्वं बोधयति। वृद्धावस्थायां तयोः विशेषसेवा करणीया। तयोः वचनं धैर्येण श्रोतव्यम् तथा आवश्यकतायां ताभ्यां साहाय्यं करणीयम्। केवलं महत्त्वपूर्णेषु दिवसेषु न, अपितु प्रतिदिनं तयोः प्रति प्रेम दर्शनीयम्। यः पुत्रः पुत्री वा मातापित्रोः सम्मानं करोति, सः वास्तवतः संस्कारितः भवति। अतः वयं सर्वे मातापित्रोः सेवां कृत्वा तेषां जीवनं सुखमयं कुर्मः।

एंजल

कक्षा अष्टमी वर्गः अ

गुरोः महत्त्वम्

भारतीयपरम्परायां गुरोः स्थानं अत्यन्तं उच्चम् अस्ति। गुरुः केवलं पुस्तकज्ञानं न ददाति, अपितु जीवनस्य योग्यं मार्गं दर्शयति। शिक्षकः विद्यार्थिनां प्रतिभां ज्ञात्वा तेषां विकासाय निरन्तरं प्रयतते। सः सत्यस्य, अनुशासनस्य, परिश्रमस्य, सदाचारस्य च महत्त्वं बोधयति। गुरुः अज्ञानरूपं अन्धकारं दूरं कृत्वा ज्ञानस्य प्रकाशं प्रसारयति। अतः प्राचीनकाले गुरुकुलपरम्परा आसीत्। तत्र छात्राः गुरोः समीपे निवसित्वा विद्यां तथा जीवनमूल्यानि अधीयन्ते स्म। अद्य विद्यालयेषु अपि शिक्षकाः विद्यार्थिभ्यः ज्ञानं मार्गदर्शनं च ददति। विद्यार्थिभिः गुरुणां सम्मानः करणीयः, तेषां निर्देशाः च मनोयोगेन पालनीयाः। गुरोः प्रति सम्मानः केवलं शब्देषु न, अपितु आचरणे अपि दृश्येत। अस्माकं सफलता अपि गुरुणां मार्गदर्शनस्य फलम् अस्ति। अतः गुरोः अस्माकं जीवनस्य प्रकाशस्तम्भाः सन्ति।

त्र्यक्ष गौतम

कक्षा अष्टमी वर्गः अ

समयस्य महत्त्वम्

समयः मानवजीवनस्य अमूल्यं धनम् अस्ति। गतः समयः पुनः कदापि न आगच्छति। अतः प्रत्येकस्य मनुष्यस्य समयस्य सदुपयोगः करणीयः। विद्यार्थीभिः विशेषरूपेण समयस्य महत्त्वं ज्ञातव्यम्। यदि छात्रः समयानुसारं अध्ययनं करोति, क्रीडति, विश्रामं करोति तथा गृहकार्यं सम्पादयति, तर्हि सः सफलः भवितुं शक्नोति। आलस्यं समयस्य महान् शत्रुः अस्ति। दूरदर्शनस्य, चलचित्राण्यस्य तथा सामाजिकमाध्यमानां अत्यधिकः प्रयोगः समयस्य अपव्ययं करोति। अतः अस्माभिः दैनिककार्याणां योजनां कृत्वा समयस्य उचितः उपयोगः करणीयः। प्रातःकाले शीघ्रं उत्थाय अध्ययनं, व्यायामं तथा अन्यानि कार्याणि समयेन करणीयानि। समयपालनं जीवनं व्यवस्थितं करोति। यः समयस्य सम्मानं करोति, समयः अपि तस्य जीवनं सफलं करोति। अतः प्रसिद्धम् अस्ति—“कालः कस्यापि प्रतीक्षां न करोति।”

सत्यम

कक्षा दशमी वर्गः अ



जलसंरक्षणम्

जलम् जीवनस्य आधारः अस्ति। जलं विना मानवाः, पशवः, पक्षिणः तथा वनस्पतयः जीवितुं न शक्नुवन्ति। पृथिव्यां जलस्य बहु भागः अस्ति, किन्तु पेयजलस्य मात्रा सीमिता अस्ति। अद्य जलस्य अपव्ययः तथा प्रदूषणं गम्भीरः विषयः अस्ति। अनेकस्थलेषु जनाः जलाभावेन पीडिताः भवन्ति। अतः जलसंरक्षणं सर्वेषां दायित्वम् अस्ति। अस्माभिः नलस्य अनावश्यकप्रवाहः निरोद्धव्यः। स्नानसमये, भोजनपाकसमये तथा वाहनप्रक्षालने जलस्य अपव्ययः न करणीयः। वर्षाजलस्य संग्रहणमपि करणीयम्। नदीनां, सरोवराणां, कूपानां च स्वच्छता रक्षणीया। विद्यालयेषु विद्यार्थिभिः जलसंरक्षणस्य विषये जनजागरणं करणीयम्। यदि वयं अद्य जलस्य संरक्षणं करिष्यामः, तर्हि भविष्यस्य पीढयः सुरक्षितं जीवनं प्राप्स्यन्ति। अतः सर्वे वदामः— “जलम् अस्ति चेत् जीवनम् अस्ति।”

करन राणा

कक्षा नवमी वर्गः ब



योगस्य महत्त्वम्

योगः भारतस्य प्राचीनः अमूल्यः च उपहारः अस्ति। योगस्य अभ्यासेन शरीरं मनः च स्वस्थं भवति। योगासनेषु प्राणायामे च नियमिताभ्यासस्य विशेषं महत्त्वम् अस्ति। प्रातःकाले योगाभ्यासः शरीरं स्फूर्तियुक्तं

करोति तथा मनसि शान्तिं जनयति। विद्यार्थिनां कृते योगः विशेषतः उपयोगी अस्ति, यतः योगेन एकाग्रता, स्मरणशक्तिः तथा आत्मविश्वासः वर्धते। आधुनिकजीवने जनाः अधिकं समयं चलदूरभाषे, सङ्गणके तथा दूरदर्शने यापयन्ति। अतः शारीरिकक्रियायाः आवश्यकता अधिका अस्ति। योगः सरलतया गृहे, विद्यालये वा कर्तुं शक्यते। ताडासनम्, वृक्षासनम्, भुजङ्गासनम्, वज्रासनम् इत्यादीनि आसनानि विद्यार्थिभिः प्रशिक्षकस्य मार्गदर्शनेन कर्तुं शक्यन्ते। योगः केवलं व्यायामः नास्ति, अपितु स्वस्थस्य सन्तुलितस्य च जीवनस्य मार्गः अस्ति।

शैलजा

कक्षा नवमी वर्गः ब

क्रीडायाः महत्त्वम्

क्रीडा मानवजीवनस्य महत्त्वपूर्णः भागः अस्ति। विशेषतः विद्यार्थिनां शारीरिकमानसिकविकासाय क्रीडायाः आवश्यकता अस्ति। क्रीडया शरीरं सुदृढं भवति, मनः प्रसन्नं भवति तथा आत्मविश्वासः वर्धते। क्रिकेट्, फुटबॉल, हॉकी, कबड्डी, बास्केटबॉल, बैडमिण्टन इत्यादयः लोकप्रियाः क्रीडाः सन्ति। क्रीडायाः माध्यमेन विद्यार्थिनः अनुशासनं, समयपालनं, सहयोगं, नेतृत्वगुणं तथा पराजयस्य स्वीकारं शिक्षन्ते। क्रीडाक्षेत्रे विजयः महत्त्वपूर्णः अस्ति, किन्तु सहभागिता अपि तावदेव महत्त्वपूर्णा अस्ति। नियमितक्रीडया विद्यार्थीः अध्ययनस्य तनावान् अपि मुक्तः भवति। विद्यालयेषु विद्यार्थिभ्यः अध्ययनस्य साथं क्रीडायै अपि पर्याप्तः समयः दातव्यः। “स्वस्थशरीरे स्वस्थं मनः” इति कथनं क्रीडायाः महत्त्वं स्पष्टं करोति। अतः प्रत्येकः विद्यार्थी प्रतिदिनं किञ्चित् समयं क्रीडायै अवश्यं दद्यात्।

युविन

कक्षा अष्टमी वर्गः अ

तन्त्रज्ञानम्

वर्तमानयुगे तन्त्रज्ञानस्य महत्त्वं प्रतिदिनं वर्धते। सङ्गणकः, चलदूरभाषः, अन्तर्जालः, कृत्रिमबुद्धिमत्ता इत्यादीनि आधुनिकतन्त्रज्ञानस्य उदाहरणानि सन्ति। तन्त्रज्ञानेन मानवजीवनं सरलतरं जातम्। वयं गृहे उपविश्य दूरस्थैः जनैः सह वार्तालापं कर्तुं शक्नुमः। विद्यार्थीः अन्तर्जालस्य माध्यमेन नूतनानि विषयाणि ज्ञातुं शक्नोति। चिकित्साक्षेत्रे तन्त्रज्ञानेन रोगाणां परीक्षणं तथा उपचारः सुलभः अभवत्। कृषिक्षेत्रे अपि नूतनानि यन्त्राणि कृषकाणां साहाय्यं कुर्वन्ति। किन्तु तन्त्रज्ञानस्य दुरुपयोगः हानिकारकः भवितुम् अर्हति। चलदूरभाषस्य अत्यधिकप्रयोगेन समयस्य अपव्ययः भवति तथा अध्ययनं प्रभावितं भवति। अतः तन्त्रज्ञानस्य उपयोगः विवेकपूर्वकं करणीयः। यदा तन्त्रज्ञानं मानवहिताय प्रयुज्यते, तदा तत् विकासस्य शक्तिशाली साधनं भवति।

आराध्या, कक्षा सप्तमी वर्गः अ

राष्ट्रभक्तिः

राष्ट्रभक्तिः स्वदेशस्य प्रति प्रेम, सम्मानः तथा कर्तव्यभावना च अस्ति। प्रत्येकस्य नागरिकस्य हृदये राष्ट्रस्य प्रति गौरवभावना भवेत्। अस्माकं देशः भारतः विविधतायाः एकतायाः च अद्भुतः उदाहरणम् अस्ति। अस्माकं सैनिकाः सीमासु देशस्य रक्षणं कुर्वन्ति तथा कठिनपरिस्थितिषु अपि स्वकर्तव्यं निर्वहन्ति। तेषां त्यागः साहसं च सर्वैः सम्माननीयम् अस्ति। परन्तु राष्ट्रसेवा केवलं सैनिकानामेव कर्तव्यम् नास्ति। विद्यार्थीः मनोयोगेन अध्ययनं कृत्वा, अनुशासनं पालयित्वा, स्वच्छतां रक्षित्वा तथा समाजस्य साहाय्यं कृत्वा राष्ट्रसेवां कर्तुं शक्नोति। नागरिकैः देशस्य नियमाः पालनीयाः, सार्वजनिकसम्पत्तिः रक्षणीया तथा पर्यावरणस्य संरक्षणं करणीयम्। राष्ट्रभक्तिः केवलं नारालेषु न, अपितु कर्मसु दृश्येत। अस्माभिः सर्वैः मिलित्वा भारतस्य गौरवं वर्धयितव्यम्। “जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी” इति भावना सर्वेषां हृदये भवेत्।

प्रियंका

कक्षा नवमी वर्गः अ

स्वच्छभारत-अभियानम्

स्वच्छता स्वस्थजीवनस्य आधारः अस्ति। स्वच्छगृहं, स्वच्छविद्यालयः, स्वच्छमार्गः तथा स्वच्छनगरं सर्वेभ्यः प्रियं भवति। अस्वच्छतया अनेकाः रोगाः प्रसृता भवन्ति। अतः स्वच्छभारतस्य निर्माणं सर्वेषां दायित्वम् अस्ति। अस्माभिः कचरः यत्र तत्र न क्षेपणीयः। कचरः उचिते पात्रे एव निक्षेपणीयः। प्लास्टिकस्य प्रयोगः न्यूनः करणीयः तथा पुनःप्रयोगयोग्यवस्तूनां प्रयोगः करणीयः। विद्यालयेषु विद्यार्थिभिः स्वच्छतायाः विषये जागरूकता प्रसारणीया। कक्षायाः, प्राङ्गणस्य तथा शौचालयस्य स्वच्छता सर्वैः मिलित्वा रक्षणीया। स्वच्छता केवलं सफाईकर्मचारिणां दायित्वं नास्ति, प्रत्येकस्य नागरिकस्य कर्तव्यम् अस्ति। यदि वयं स्वगृहात् स्वच्छतायाः आरम्भं करिष्यामः, तर्हि सम्पूर्णं राष्ट्रं स्वच्छं कर्तुं शक्नुमः। स्वच्छभारतं स्वस्थभारतं च अस्माकं सामूहिकं स्वप्नं भवेत्। अतः वयं प्रतिज्ञां कुर्मः—“स्वच्छं भारतं, स्वस्थं भारतम्।”

कशिश

कक्षा नवमी वर्गः अ

हास्य-व्यङ्ग्यम् — “चलदूरभाषस्य महिमा”

एकदा गुरुः छात्रान् अपृच्छत्—“भोः छात्राः! अद्यतनकाले सर्वाधिकं महत्त्वपूर्णं वस्तु किम्?”

एकः छात्रः शीघ्रम् अवदत्—“गुरुदेव! चलदूरभाषः!”

गुरुः अपृच्छत्—“किमर्थम्?”

छात्रः अवदत्—“यतः सः सर्वं जानाति।”

गुरुः पुनः अपृच्छत्—“त्वं किम् जानासि?”

छात्रः हसन् अवदत्—“अहं केवलं तस्य कूटशब्दं जानामि!”

तदा अन्यः छात्रः अवदत्—“गुरुदेव! मम मित्रस्य चलदूरभाषे पञ्चसहस्रं छायाचित्राणि सन्ति।”

गुरुः अवदत्—“किम् सः फोटोग्राफरः?”

छात्रः—“नहि गुरुदेव! सः केवलं प्रतिदिनं भोजनस्य चित्रं गृह्णाति!”

गुरुः मन्दं हसित्वा अवदत्—“अद्यतनाः छात्राः भोजनात् पूर्वं भोजनस्य चित्रं खादन्ति, भोजनं तु पश्चात् खादन्ति!”

प्रियांश डोगरा

कक्षा दशमी वर्गः अ